धनबाद, गुरूवार
25 जून 2026
वर्ष : 03 अंक : 265
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

मुख्यमंत्री सोरेन ने 262 नव-चयनित अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

निष्ठा-ईमानदारी से सेवा देने का किया आह्वान

रांची, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में 262 नव-चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनसे निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

नियुक्ति प्राप्त करने वालों में झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के माध्यम से चयनित 56 खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत संविदा आधारित 151 विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी, 29 वरिष्ठ अस्पताल प्रबंधक तथा 26 वित्त प्रबंधक शामिल हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि राज्य के समग्र विकास के लिए सभी क्षेत्रों में पर्याप्त और सक्षम मानवबल की आवश्यकता होती है। इसी उद्देश्य से सरकार विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर नियुक्ति प्रक्रिया संचालित कर रही है।मुख्यमंत्री ने नव-नियुक्त अभ्यर्थियों से अपेक्षा की कि वे जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें और राज्य के विकास में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि सरकारी पद केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राज्य के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का अवसर भी है।हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विशेषज्ञ मानवबल की आवश्यकता है, जिसे ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की जाएंगी।उन्होंने कहा कि मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी विकसित राज्य की आधारशिला होती है। इसी सोच के साथ सरकार स्वास्थ्य संस्थानों के विस्तार, आधुनिक सुविधाओं के विकास और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम नागरिकों को समय पर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

नव-नियुक्त पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य ऐसा क्षेत्र है जहां निरंतर नई चुनौतियां सामने आती रहती हैं। चाहे ग्रामीण क्षेत्र हों या शहरी इलाके, संसाधनों की उपलब्धता, विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी, समय पर उपचार और आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाए रखना हमेशा चुनौतीपूर्ण कार्य रहता है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्वास्थ्य व्यवस्था को हर परिस्थिति के लिए तैयार रखना कितना आवश्यक है। महामारी के दौरान स्वास्थ्य तंत्र के समक्ष अभूतपूर्व परिस्थितियां उत्पन्न हुईं, जिनसे निपटने के लिए त्वरित निर्णय, समन्वय और नवाचार की आवश्यकता पड़ी।मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रबंधन प्रणाली और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना अनिवार्य है। उन्होंने नव-नियुक्त अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे नई तकनीकों और नवाचारों को अपनाते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने में योगदान दें।हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार का निरंतर प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त रहें और मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि आपात स्थितियों में त्वरित चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने, मानव संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने तथा चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करने के लिए लगातार कार्य कर रही है, ताकि राज्य के लोगों को सुलभ, सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, विशेष सचिव नेहा अरोड़ा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नव-नियुक्त अभ्यर्थी उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

झारखंड में मानसून सुस्त, 24 जून तक 58 प्रतिशत कम बारिश

रांची, (एजेंसी) : झारखंड में इस वर्ष मानसून की रफ्तार बेहद धीमी बनी हुई है। राज्य में एक जून से 24 जून तक सामान्य के मुकाबले 58 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है, जिससे कई जिलों में सूखे जैसी स्थिति बनने लगी है।मौसम विभाग की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार राजधानी रांची को छोड़ अधिकांश जिलों में वर्षा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। राज्य में अब तक सबसे बेहतर स्थिति रांची जिले की रही है। यहां सामान्य वर्षा की तुलना में केवल 13 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। रांची में इस अवधि के दौरान सामान्यतः 137.4 मिलीमीटर वर्षा होनी चाहिए थी, जबकि अब तक 119.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसके विपरीत राज्य के कई जिलों में वर्षा का भारी अभाव बना हुआ है।

करम अखाड़ा सौंदर्यीकरण कार्य का सांसद ने किया शिलान्यास

खूंटी, (एजेंसी) : खूंटी लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण मुंडा ने अपनी सांसद निधि से करम अखाड़ा के सौंदर्यकरण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया।इस दौरान आदिवासी सरना समाज के बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों, समिति पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि सरना समाज के अखाड़ों का कायाकल्प कर आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक विरासत को संरक्षित और सशक्त बनाया जाएगा।उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी सांस्कृतिक परंपराओं में निहित है और समाज का विकास ही देश के विकास का आधार है। उन्होंने लोगों से अपनी सांस्कृतिक धरोहर को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने का आह्वान किया।इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी, केंद्रीय सरना संगोम समिति की अध्यक्ष दुर्गावती ओड़ेआ, सरना समाज के सचिव लीलू पाहन, अनूप मुंडा तथा कांग्रेस जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

पूर्ण गर्भवती महिला के सम्मान में मंच से उतरे मुख्यमंत्री विजय, नियुक्ति पत्र सौंपकर दी शुभकामनाएं

चेन्नई, (एजेंसी) : तमिलनाडु सरकार के विभिन्न विभागों में चयनित 401 अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश वितरित करने के लिए चेन्नई में आयोजित एक समारोह उस समय भावनात्मक क्षण का साक्षी बन गया, जब मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने एक पूर्ण गर्भवती महिला की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए स्वयं मंच से नीचे उतरकर उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री के इस मानवीय व्यवहार ने उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया और पूरे सभागार में भावुक माहौल बन गया।

सरकारी सेवा में चयनित 401 अभ्यर्थियों में अक्षयलक्ष्मी नाम की एक महिला भी शामिल थीं, जो गर्भावस्था के अंतिम चरण में हैं। उनकी प्रसव तिथि 28 जून निर्धारित है। जीवन के महत्वपूर्ण सपनों में शामिल सरकारी नौकरी प्राप्त करने

की इच्छा को पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी शारीरिक स्थिति की परवाह किए बिना समारोह में भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान जब चयनित अभ्यर्थियों को क्रमवार मंच पर बुलाकर नियुक्ति पत्र दिए जा रहे थे, तब मुख्यमंत्री विजय की नजर अक्षयलक्ष्मी पर पड़ी। उन्होंने तुरंत उनकी स्थिति को समझते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि उन्हें मंच तक आने के लिए सीढ़ियां चढ़ने की आवश्यकता न पड़े। इसके बाद मुख्यमंत्री ने परंपरागत प्रोटोकॉल को एक तरफ रखते हुए स्वयं मंच से नीचे उतरने का निर्णय लिया।मुख्यमंत्री सीधे उस स्थान तक पहुंचे जहां अक्षयलक्ष्मी बैठी हुई थीं। वहां उन्होंने उन्हें अपने हाथों से नियुक्ति पत्र सौंपा। इस दौरान अक्षयलक्ष्मी भावुक दिखाई दीं। मुख्यमंत्री ने उन्हें न केवल नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं, बल्कि उनके होने वाले शिशु के स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की भी कामना की।यह दृश्य देखकर समारोह में उपस्थित अन्य अभ्यर्थी, अधिकारी और अतिथि भी भावुक हो उठे। मुख्यमंत्री के इस कदम को महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और समावेशी प्रशासन का उदाहरण बताया गया।

धनबाद रिंग रोड मुआवजा घोटाला : 18 आरोपितों की जमानत याचिका पर सुनवाई, हाई कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

रांची, (एजेंसी) : धनबाद रिंग रोड भूमि अधिग्रहण मुआवजा भुगतान में कथित अनियमितताओं और करोड़ों रुपये के घोटाले से जुड़े मामले में 18 आरोपितों की जमानत याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में बुधवार को सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति राजेश कुमार की अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 30 जून निर्धारित करते हुए राज्य सरकार से विभिन्न बिंदुओं पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।सुनवाई के दौरान आरोपितों की ओर से अधिवक्ता शैलेश कुमार सिंह एवं अन्य वकीलों ने पक्ष रखा। वहीं राज्य सरकार की ओर से मामले में स्पष्ट जवाब प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस पर अदालत ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा और अगली तिथि तक विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।मामले में विशाल कुमार

सहित कुल 18 आरोपितों ने जमानत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। जमानत याचिका दायर करने वालों में सुशील प्रसाद, विशाल कुमार, अशोक कुमार महथा, कुमारी रत्नाकर, दिलीप गोप, बापी राय चौधरी, सुमेश्वर शर्मा, शंकर प्रसाद दुबे, अनिल कुमार, नीलम सिन्हा, हर्ष कुमार, उमेश महतो, उदय कांत पाठक, राम कृपाल गोस्वामी, रविंद्र कुमार, आलोक बरियार, काली प्रसाद सिंह और अनुपम कुमारी शामिल हैं।

मामला धनबाद रिंग रोड परियोजना के लिए किए गए भूमि अधिग्रहण से जुड़ा है। जांच एजेंसियों के अनुसार, अधिग्रहित भूमि के वास्तविक रैयतों को मुआवजा देने के बजाय कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अन्य व्यक्तियों को करोड़ों रुपये का भुगतान कर दिया गया। आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया में भू-माफियाओं, तत्कालीन अंचल अधिकारियों तथा कुछ सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत रही।

जांच में यह भी सामने आया है कि फर्जी कागजातों और रिकॉर्ड में हेरफेर कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। इसी आधार पर मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई।उल्लेखनीय है कि इस मामले में नौ जनवरी को आरोपितों की गिरफ्तारी की गई थी। वर्तमान में मामले की धनबाद जांच एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) द्वारा की जा रही है। एसीबी कथित वित्तीय अनियमितताओं, दस्तावेजों की सत्यता तथा मुआवजा वितरण प्रक्रिया में हुई गड़बड़ियों की जांच कर रही है।अब मामले की अगली सुनवाई 30 जून को होगी, जिसमें राज्य सरकार को अदालत द्वारा पूछे गए प्रश्नों पर अपना पक्ष और विस्तृत जवाब प्रस्तुत करना है। इसके बाद अदालत आरोपितों की जमानत याचिकाओं पर आगे विचार करेगी।

कोलकाता के तारातला में निमार्णाधीन गोदाम की छत ढही, 3 मजदूरों की मौत, 18 को बचाया गया

कोलकाता, (एजेंसी) : कोलकाता के तारातला इलाके में ब्रेस ब्रिज के पास निमार्णाधीन गोदाम की छत ढहने से बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को तीन मंजिला निमार्णाधीन चाय गोदाम की तीसरी मंजिल की छत की ढलाई के दौरान अचानक ढांचा भरभराकर गिर पड़ा। मलबे के नीचे कई मजदूर दब गए। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हादसे में 3 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि अब तक 18 घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।घटना के बाद सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, कोलकाता पुलिस, अग्निशमन विभाग और कोलकाता नगर निगम की संयुक्त टीमें युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रही हैं। मलबे में फंसे सभी श्रमिकों को जल्द बाहर निकालने के लिए गैस कटर, क्रेन, एंबुलेंस और अन्य आधुनिक बचाव उपकरणों की मदद ली जा रही है। घटनास्थल से दबे हुए मजदूरों की आवाजें सुनाई देने की भी सूचना है। बचावकर्मी बाहर

से उनके नाम पुकारकर उनकी स्थिति का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बंदरगाह की जमीन पर उक्त चाय गोदाम का निर्माण किया जा रहा था। छत ढहने के समय बड़ी संख्या में मजदूर वहां कार्यरत थे। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मलबे के नीचे अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने 30 से अधिक मजदूरों के अंदर फंसे होने की आशंका जताई है, हालांकि प्रशासन की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।राज्य सरकार ने राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी के लिए नवान्न से नियंत्रण कक्ष शुरू किया है। प्रभावित परिवारों और आम लोगों के लिए 1070, 8697981070, 033 22143526 तथा 033 22535185 नंबर जारी किए गए हैं।राज्य के नगर विकास एवं नगर मामलों के राज्य मंत्री डॉ. इंद्रनील खान घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता मलबे में फंसे लोगों की जान बचाना है और सभी संबंधित एजेंसियां तेजी से काम कर रही हैं। राकेश सिंह, मंत्री अग्निमित्रा पाल और नगर निगम आयुक्त स्मिता पांडे भी घटनास्थल पर पहुंचे।मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने नगर विकास एवं नगर मामलों विभाग को पूरे अभियान में समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया है। वह स्वयं भी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने के लिए रवाना हुए।इस बीच, मंत्री इंद्रनील खान ने निर्माण कार्य में निम्न गुणवत्ता की सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा है। स्थानीय लोगों ने भी गोदाम के निर्माण में अनियमितता और अवैध निर्माण का आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक जांच अभी शुरू नहीं हुई है। प्रशासन ने संकेत दिया है कि बचाव अभियान पूरा होने के बाद हादसे के कारणों और निर्माण की अनुमति संबंधी सभी पहलुओं की जांच की जाएगी।

वर्ष 2030 तक 95 हजार करोड़ का बाजार बन सकता है सहायक प्रौद्योगिकी क्षेत्र: एनसीपीईडीपी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारत में सहायक प्रौद्योगिकी (असिस्टिव टेक्नोलॉजी) क्षेत्र वर्ष 2030 तक 75 हजार से 95 हजार करोड़ रुपये का बाजार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि उपयुक्त नीतिगत ढांचा और निवेश व्यवस्था विकसित की जाए तो, यह क्षेत्र न केवल दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक स्वतंत्र और सम्मानजनक बनाएगा, बल्कि नवाचार, उद्यमिता और रोजगार सृजन का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।यह निष्कर्ष राष्ट्रीय दिव्यांगजन रोजगार संवर्धन केंद्र (एनसीपीईडीपी) और एमफैसिस के सहयोग से तैयार श्वेत पत्र ह्यअसिस्टिव टेक्नोलॉजी इन इंडियाः ए सिस्टम्स एंड इन्वेस्टमेंट अप्रोच फॉर इंक्लूजन, इंडिपेंडेंस एंड इकोनॉमिक पार्टिसिपेशन ऑफ पर्सन्स विद डिसएबिलिटीज़ह्न में सामने आया। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में इस श्वेत पत्र का विमोचन किया गया।

विशेषज्ञों ने कहा कि सहायक प्रौद्योगिकी की आवश्यकता केवल दिव्यांगजनों तक सीमित नहीं है। देश में करोड़ों बुजुर्गों के साथ-साथ मधुमेह, डिमेंशिया, दृष्टि और श्रवण संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग भी व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, चश्मा, सफेद छड़ी, वॉयस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर और अन्य सहायक उपकरणों पर निर्भर हैं। ऐसे में इस क्षेत्र का विस्तार सामाजिक समावेशन के साथ-साथ आर्थिक विकास का भी महत्वपूर्ण आधार बन सकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) की अतिरिक्त सचिव डॉ मनमीत कौर नंदा ने कहा कि भारत के पास विश्वस्तरीय और समावेशी सहायक प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने का बड़ा अवसर है। सहायक प्रौद्योगिकी स्वतंत्रता, सम्मान और समाज में समान भागीदारी सुनिश्चित करने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्वेत पत्र में प्रस्तुत सुझाव भविष्य की नीतियों को दिशा देने में सहायक सिद्ध होंगे।

संक्षिप्त खबरें

चाकूबाजी की घटना मे दो युवक घायल, रांची रेफर,चाकू मारनेवाले आरोपी की पहचान करने मे जुटी पुलिस, प्राथमिकी दर्ज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : शहर के ओकनी मुहल्ला मे चाकूबाजी की घटना मे दो युवक घायल हो गये।घायल युवक ओकनी मुहल्ला के रोहित कुमार और बिट्टु कुमार है. घटना 23 जून की देर रात 11.30 की है। दोनो घायल युवकों को तत्काल इलाज के लिये शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया।चिकित्सकों ने दोनो घायलों को प्राथमिक उपचार कर रांची रेफर कर दिया। इधर चाकूबाजी की घटना की सूचना मिलते ही लोसिंघना पुलिस मामले की जांच पडताल मे जुट गयी है। लोहसिंघना थाना प्रभारी निशांत केरकेट्टा ने बताया कि दोनो घायलों के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की जायेगी।चाकू मारनेवाले युवकों की पहचान करने की कार्रवाई चल रही है। लोहसिंघना पुलिस के अनुसार 23 जून की देर रात दो युवक रोहित कुमार और बिट्टु कुमार एक मोटरसाईकिल से लोहसिंघना मार्ग होते हुए ओकनी की ओर जा रहे थे।घायलों के पहचान के रांची के उमेश लाल और राहुल देव एक टोटो से आगे पीछे चल रहे थे।इसी क्रम मे टोटो वाहन का पीछला चक्का एक व्यक्ति के पैर मे चढ गया।इसको लेकर विवाद हो गया।विवाद होता देख रोहित कुमार और बिट्टु कुमार वहां पहुंच गया। इसी बीच रोहित कुमार और बिट्टु कुमार को किसी ने चाकू मारकर घायल कर दिया। समाचार लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज नही हुआ है।

झारखंड स्टेट बार काउंसिल के पंचवर्षीय चुनाव का गजट नोटिफिकेशन जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड स्टेट बार काउंसिल के संपन्न पंचवर्षीय चुनाव से संबंधित गजट नोटिफिकेशन बुधवार को शाम में जारी किया गया। विधि विभाग ने असाधारण गजट नोटिफिकेशन जारी किया, जिसमें काउंसिल के 22 निर्वाचित सदस्यों का नाम शामिल है।यह नोटिफिकेशन तत्कालीन महाधिवक्ता राजीव रंजन व चीफ रिटर्निंग ऑफिसर जस्टिस अंबुज नाथ के निदेर्शों के अनुपालन में जारी की गयी है।जारी अधिसूचना के मुताबिक अधिवक्ता एके रशीदी, ललित यादव, अभिषेक कुमार भारती, प्रशांत कुमार सिंह, मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव, पवन कुमार खत्री, मनोज कुमार-2, अनिल कुमार तिवारी, संजय कुमार विद्रोही, राज कुमार, निलेश कुमार, अनिल कुमार महतो, राजेश कुमार शुक्ला, मनोज कुमार नंबर-3, जीतेंद्र कुमार, अभय कुमार चतुवेर्दी, परमेश्वर मंडल, मधुलता रानी, रिंकू भकत, मीरा कुमारी, मोली सिन्हा व निवेदिता कुंडू को निर्वाचित सदस्य के रूप में अधिसूचित किया गया है।चीफ रिटर्निंग ऑफिसर जस्टिस अंबुज नाथ ने 12 मार्च 2026 को हुए मतदान के आधार पर झारखंड हाइकोर्ट व विभिन्न सिविल कोर्ट के 22 अधिवक्ताओं को निर्वाचित घोषित किया गया था।स्टेट काउंसिल के एक सदस्य पद पर फिलहाल परिणाम घोषित नहीं किया गया है, जबकि दो महिला सदस्य को-ऑप्शन से चुनी जायेंगी, जिस पर अभी तक निर्णय नहीं हुआ है।

राज्य भर में फंड के अभाव में 1.15 लाख अबुआ आवास का काम रुका, 994 करोड़ की जरूरत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : झारखंड सरकार की अबुआ आवास योजना में राज्य के 24 जिलों में 1,15,063 लाभुकों का आवास निर्माण कार्य बकाया राशि के कारण रुक गया है।योजना के तहत लाभुकों ने अपने आवास का प्लिंथ लेवल व सेकेंड लेवल तक का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है, लेकिन उन्हें अब तक दूसरी और तीसरी किस्त की राशि प्राप्त नहीं हुई है।इसके कारण आवास अधूरे पड़े हुए हैं।लाभुकों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।अबुआ आवास योजना के पोर्टल में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुल 1,15,063 आवास का काम आगे बढ़ाने के लिए कुल 994 करोड़ की जरूरत की है। इसमें वित्तीय वर्ष 2023-24 के 14,083 लाभुक तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 के 1,00,980 लाभुकों का आवास का काम प्रभावित है।इन सभी लाभुकों के लिए कुल 994 करोड़ रुपये का राज्य सरकार द्वारा सीधे लाभुकों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जानी है, लेकिन पिछले कई महीनों से भुगतान नहीं होने के कारण आवास निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। जिलावार बकाया राशि में पलामू जिला सबसे ऊपर है, जहां 86.57 करोड़ का भुगतान लंबित है. इसके बाद जामताड़ा में 79.18 करोड़, पूर्वी सिंहभूम में 67.97 करोड़, गिरिडीह में 66.62 करोड़ व चतरा में 63.61 करोड़ की राशि बकाया है। संबंधित जिले से बकाया राशि भुगतान के लिए राज्य सरकार को अनुरोध पत्र भी भेजा गया है।

चौथे माह भी नहीं मिला 700 से अधिक कर्मियों को वेतन,राज्य के 64 आइटीआइ में वेतन संकट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राज्य के 64 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में वेतन का संकट हो गया है।यहां के कर्मियों को मार्च माह से वेतन नहीं मिला है। इससे प्रशिक्षण पदाधिकारी से लेकर कार्यालय के कर्मी भी परेशान हैं।वहीं चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को भी वेतन नहीं मिला है।इस बार चौथे माह भी उन्हें वेतन का भुगतान नहीं हुआ है।वेतन न हीं मिलने से 700 से अधिक कर्मी प्रभावित हो गये हैं।उन्होंने अपनी समस्या श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग के सचिव के समक्ष भी रखी है।विभागीय सचिव ने जल्द वेतन भुगतान का आश्वासन दिया था। इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया भी हुई, लेकिन अभी तक वेतन नहीं मिला है।

आसमानी बिजली से महिला की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : सदर थाना के जोराडाड़ गांव में बुधवार की दोपहर वज्रपात की चपेट में आने से एक महिला और उसके मवेशी की मौत हो गयी।घटना से गांव में शोक का माहौल है. मृतका 30 वर्षीय गीता उरांव है।बताया जा रहा है कि दोपहर में हल्की बारिश हो रही थी।इसी दौरान गीता उरांव अपने आंगन में बंधे मवेशी को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए उसे खोलने पहुंची थी।तभी अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी जिसकी चपेट में महिला और मवेशी दोनों आ गये। वज्रपात इतना तेज था कि दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी।

एसकेएमयू में यूजी नामांकन का शेड्यूल जारी, 25 जून से खुल जायेगा चांसलर पोर्टल 11 जुलाई को पहली मेरिट लिस्ट, 3 अगस्त से शुरू होंगी कक्षाएं

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय (एसकेएमयू) ने स्नातक सत्र 2026-30 में नामांकन का कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल 25 जून से 8 जुलाई 2026 तक खुला रहेगा।इच्छुक छात्र-छात्राएं इस अवधि में ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।आवेदन शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है।नामांकन प्रक्रिया को लेकर बुधवार को कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर की अध्यक्षता में वीसी कॉन्फ्रेंस हॉल में नामांकन समिति की बैठक आयोजित की गयी।बैठक में विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों तथा अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। बैठक में

नामांकन प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित और छात्रहित में संचालित करने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।बैठक में तय किया गया कि पहली मेरिट सूची 11 जुलाई को प्रकाशित की जायेगी।इसके आधार पर 13 जुलाई से 23 जुलाई तक नामांकन लिया जायेगा।दूसरी मेरिट सूची 25 जुलाई को जारी होगी, जिसके आधार पर 27 जुलाई से 1 अगस्त तक नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जायेगी।नये शैक्षणिक सत्र की कक्षाएं 3 अगस्त से शुरू होंगी।-विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिन महाविद्यालयों की संबद्धता समाप्त हो चुकी है, उनमें किसी भी प्रकार का नामांकन नहीं होगा।केवल मान्यता प्राप्त एवं संबद्ध महाविद्यालयों में ही प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जायेगी।बैठक में सामान्य स्नातक पाठ्यक्रमों के अलावा बीबीए, बीसीए एवं अन्य व्यावसायिक और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में नामांकन की व्यवस्था पर भी चर्चा की गयी।विश्वविद्यालय ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत विषयों और सीटों के अनुरूप उपलब्ध संसाधनों के आधार पर नामांकन लिया जायेगा।छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) डॉ. जैनेन्द्र यादव ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। उन्होंने सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को अपने-अपने संस्थानों में नामांकन समिति को सक्रिय रखने का निर्देश दिया, ताकि छात्रों को किसी तरह की परेशानी न हो।उन्होंने छात्र-छात्राओं और अभिभावकों से स्वयं चांसलर पोर्टल पर आवेदन करने की अपील की।साथ ही कहा कि आवेदन में किसी प्रकार की तकनीकी परेशानी होने पर छात्र संबंधित महाविद्यालयों में स्थापित कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) की सहायता ले सकते हैं।इससे आवेदन में त्रुटि की संभावना कम होगी और छात्रों को सही मार्गदर्शन भी मिलेगा।

बैठक में डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेन्द्र यादव, प्रोक्टर डॉ. राजीव कुमार, सीसीडीसी डॉ. अब्दुस सत्तर, वित्त पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा, विज्ञान संकाय के डीन डॉ. निलेश कुमार, सामाजिक विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के डीन डॉ. टी.पी. सिंह, मानविकी संकाय के डीन डॉ. बसंत गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रीना नीलिमा लकड़ा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, कॉलेजों के प्राचार्य एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेमंत की पहल से वरिष्ठ, बीमार व दिव्यांग कलाकारों को मिलेगा चार हजार रुपये मासिक पेंशन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर राज्य सरकार ने वरिष्ठ, गंभीर रूप से बीमार एवं स्थायी रूप से दिव्यांग कलाकारों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा के लिए मासि-ाक निवृत्तिका (कलाकार पेंशन) योजना को मंजूरी दे दी है।योजना के तहत पात्र कलाकारों को 4000 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जायेगी।यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के आधार से जुड़े बैंक खाते में भेजी जायेगी।कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की इस योजना का उद्देश्य आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे कलाकारों को सम्मानजनक जीवन जीने में सहयोग देना है। साथ ही कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मानित करना भी है।कला-संस्कृति विभाग के निदेशक आसिफ एकराम ने बताया कि उम्र, गंभीर बीमारी अथवा स्थायी दिव्यांगता के कारण आर्थिक

संकट झेल रहे कलाकारों के लिए यह योजना महत्वपूर्ण सहारा साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह कलाकारों के जीवनभर के योगदान के प्रति राज्य सरकार की कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है।योजना के तहत झारखंड के मूल निवासी वृद्ध, गंभीर रूप से बीमार तथा स्थायी रूप से दिव्यांग कलाकार आवेदन कर सकते हैं।संगीत, नृत्य, रंगमंच, लोककला, चित्रकला, मूर्तिकला समेत विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं से जुड़े कलाकार इसके दायरे में शामिल होंगे।आवेदन के साथ आयु प्रमाण पत्र, वार्षिक आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की प्रति, बैंक खाते का विवरण तथा कला क्षेत्र में उपलब्धियों, सम्मान और पुरस्कारों से संबंधित प्रमाण पत्र जमा करना होगा।गंभीर बीमारी अथवा दिव्यांगता की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी चिकित्सा या दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी अनिवार्य होगा।विभाग ने आवेदन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी रखा है।इच्छुक कलाकार योजना से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश और आवेदन प्रपत्र झारखंड कल्चर वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। भरे हुए आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सांस्कृतिक कार्य निदेशालय, रांची में जमा किये जा सकते हैं।योजना के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गयी है। सरकार को उम्मीद है कि इस पहल से राज्य के जरूरतमंद कलाकारों को आर्थिक संबल मिलने के साथ उनकी कला साधना को भी सम्मान मिलेगा।

झारखंड में राज्यसभा चुनाव के बाद सियासी समीकरणों में हलचल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झारखंड की राजनीति इस समय गहरे अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। राज्यसभा चुनाव के नतीजों के बाद सत्ताधारी इंडिया ब्लॉक में आपसी दरारें दिख रही हैं, और इस बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की रहस्यमय चुप्पी ने राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म किया है। गठबंधन के सहयोगी दल कांग्रेस, राजद और वामपंथी दल एक-दूसरे पर हार का ठीकरा फोड़ रहे हैं, लेकिन गठबंधन के मुखिया हेमंत सोरेन की खामोशी सभी सहयोगियों का ध्यान खींच रही है।

दरअसल, राज्यसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक के पास दोनों सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल (कुल 56 विधायक) था, लेकिन कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार की अप्रत्याशित हार हुई। एक सीट के लिए 28 वोटों की आवश्यकता थी। झामुमो के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम को 30 वोट मिले, जबकि महागठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी को मात्र 20 वोट मिल सके। यह तब हुआ जब गठबंधन के 3 वोट रद्द भी हो गए। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब झामुमो को 28 वोट ही पड़ने थे, तब 30 वोट क्यों मिले? यह स्पष्ट संकेत है कि गठबंधन के भीतर से ही कांग्रेस प्रत्याशी के लिए निर्धारित 2 वोट कहीं और चले गए, जिससे उनकी हार करीब तय हो गई। एनडीए समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी को आंतरिक कलह का सीधा फायदा मिला और वे जीत गए।इस हार के बाद इंडिया ब्लॉक में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस ने राजद और वाम दलों पर विश्वासघात का आरोप लगाया है, वहीं राजद ने कांग्रेस पर ही बिकने का आरोप मढ़कर तल्खी और बढ़ा दी है। वामपंथी दल भी कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज कर रहे हैं। इस बीच, झामुमो की चुप्पी ने कांग्रेस को और अधिक बेचैन कर दिया है। यह दरार बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान शुरू हुई थी, जब झामुमो को वहां महत्व नहीं मिला, और असम में झामुमो ने कांग्रेस के खिलाफ भूमिका निभाई थी।

जगन्नाथपुर में फायर सेफ्टी को लेकर स्कूलों और अस्पतालों का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की हिदायत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : जगन्नाथपुर में बुधवार को फायर सेफ्टी एवं विधि-व्यवस्था के मद्देनजर स्कूलों और अस्पतालों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में एलआरडीसी अनीता केरकेट्टा, अंचल अधिकारी मनोज मिश्रा तथा थाना प्रभारी टिंकू कुमार दास शामिल थे।निरीक्षण के दौरान संजीवनी सेवा सदन, सरस्वती लिटिल फ्लावर स्कूल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगन्नाथपुर एवं माउंट कार्मल स्कूल का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने संस्थानों में अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था, आपातकालीन निकास मार्ग, बच्चों एवं मरीजों की सुरक्षा तथा उपलब्ध संसाधनों की जांच की।निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि किसी भी आपात स्थिति, विशेषकर आग लगने की घटना में बचाव के लिए पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं। अधिकारियों ने प्रवेश एवं निकास मार्गों की संख्या, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, फायर सिलेंडरों की स्थिति तथा पानी की व्यवस्था का भी निर-ीक्षण किया।

संजीवनी सेवा सदन, सरस्वती लिटिल फ्लावर स्कूल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक उपकरण उपलब्ध पाए गए। वहीं माउंट कार्मल स्कूल में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई गंभीर कमियां सामने आईं। स्कूल परिसर में बाउंड्री वॉल एवं रेलिंग का अभाव पाया गया। हॉस्टल में रह रहे बच्चों के लिए पर्याप्त कमरे, शौचालय एवं साफ-सफाई की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। इसके अलावा आग से बचाव के लिए आवश्यक अग्निशमन उपकरण भी उपलब्ध नहीं पाए गए।

आंधी-पानी में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए हर प्रमंडल में तैनात होगा स्पेशल गैंग : सीएमडी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड ऊर्जा विकास निगम के सीएमडी के श्रीनिवासन ने बिजली आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करते हुए फॉल्ट के त्वरित निवारण और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये हैं।समीक्षा के दौरान सीएमडी ने कहा कि बिजली आपूर्ति के दौरान होने वाले फॉल्ट का तेजी से निपटारा करने के लिए राज्य के सभी विद्युत आपूर्ति प्रमंडलों में एक विशेष गैंग का गठन किया जायेगा।इस गैंग में एक कुशल श्रमिक और दो अकुशल श्रमिक शामिल रहेंगे।साथ ही एक गाड़ी भी दी जायेगी। यह स्पेशल गैंग 24 घंटे सातों दिन कार्य करेगा और कहीं भी फॉल्ट होने पर तत्काल संबंधित स्थल पर पहुंचकर मरम्मत कार्य में सहयोग करेगा।इससे फॉल्ट का त्वरित निवारण हो सकेगा और उपभोक्ताओं को कम समय तक

बिजली बाधित रहने की समस्या का सामना करना पड़ेगा।बैठक की जानकारी सभी प्रमंडल में जेबीवीएनएल के निदेशक प्रभात कुमार श्रीवास्तव ने भेज दिया है।बैठक में यह भी बताया गया कि कई बार पोल नहीं होने के कारण बिजली आपूर्ति बहाल करने में कठिनाई आती है।इसे देखते हुए झारखंड बिजली वितरण निगम के सभी प्रमंडलों में पर्याप्त संख्या में पोल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत पोल लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल की जा सके।समीक्षा के दौरान ट्रांसफार्मर की उपलब्धता पर भी विशेष चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी प्रमंडलों में 25 केवीए, 63 केवीए, 100 केवीए और 200 केवीए क्षमता के ट्रांसफार्मरों का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए। इससे ट्रांसफार्मर खराब होने की स्थिति में बिना विलंब बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकेगी।सीएमडी ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को ट्रांसफार्मर की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण ट्रांसफार्मरों के उपयोग और उनकी सतत मॉनिटरिंग से खराबी की घटनाओं में कमी आयेगी।साथ ही निदेशक (डीएंडपी) को भी ट्रांसफार्मर की स्थिति की नियमित समीक्षा और मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। इसके लिए फील्ड स्तर पर संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने और त्वरित मरम्मत तंत्र को मजबूत करने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

विधायक पूर्णिमा साहू से मिले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र की विधायक पूर्णिमा साहू के अस्वस्थ होने की सूचना मिलने पर बुधवार को झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने टीएमएच अस्पताल पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जाना।इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों से विधायक के स्वास्थ्य एवं चल रहे उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त की और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। आदित्य साहू ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि पूर्णिमा साहू जल्द से जल्द पूर्णतः स्वस्थ होकर पुनः जनसेवा के कार्यों में सक्रिय हों। उन्होंने उनके उत्तम

स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं शीघ्र स्वस्थ होने की मंगलकामना की।उल्लेखनीय है कि विधायक पूर्णिमा साहू की सोमवार रात्रि को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें इलाज के लिए टीएमएच अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार चल रहा है।अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उनकी स्वास्थ्य स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है और अब वे पहले से काफी बेहतर महसूस कर रही हैं।इससे पूर्व, मंगलवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं उनके ससुर रघुवर दास भी अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जान चुके हैं और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।भाजपा के वरीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी विधायक पूर्णिमा साहू के शीघ्र स्वस्थ होकर जनसेवा के कार्यों में लौटने की कामना की।इस दौरान मुख्य रूप से भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा, पूर्व प्रदेश मंत्री सुबोध सिंह गुड्डू, पूर्व जिलाध्यक्ष गुंजन यादव, भाजपा नेता कुलवंत सिंह बंटी समेत पार्टी के कई अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे।

एसआईआर को लेकर बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 30 जून से चलेगा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने के उद्देश्य से बुधवार को चक्रधरपुर नगर क्षेत्र के बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचलाधिकारी सुरेश कुमार सिन्हा ने की।प्रशिक्षण के दौरान अंचलाधिकारी ने बताया कि 30 जून से 30 जुलाई तक विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा।इस अवधि में प्रत्येक बीएलओ को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनका शत-प्रतिशत वितरण संबंधित मतदाताओं के बीच सुनिश्चित करना होगा।इस-के बाद मतदाताओं द्वारा भरे गए प्रपत्रों को पुनः संग्रहित कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्रों के वितरण एवं प्राप्ति की ऑनलाइन प्रविष्टि भी अनिवार्य रूप से की जाएगी, ताकि कार्यों की नियमित निगरानी की जा सके।प्रशिक्षण में बीएलओ को मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित दिशा-निदेर्शों एवं तकनीकी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।अंचलाधिकारी ने सभी बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि चक्रधरपुर नगर क्षेत्र का कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित नहीं रहना चाहिए।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

डालसा धनबाद के प्रयासों से गुमशुदा बुजुर्ग अपने परिवार से मिले

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा), रांची के तत्वावधान में चलाए जा रहे विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा), धनबाद की पहल से एक गुमशुदा बुजुर्ग को उनके परिजनों से मिलाया गया। डालसा, सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि

21 जून 2026 को धनबाद रेलवे स्टेशन पर अधिकार मित्र मनोज कुमार, सीता कुमारी एवं संदीप कुमार द्वारा एक असहाय वृद्ध व्यक्ति सिमोनतो दास (61 वर्ष), निवासी जामताड़ा, का रेस्क्यू किया गया। उस समय वृद्ध व्यक्ति अत्यंत परेशान, भूखे एवं प्यासे अवस्था में पाए गए थे। मामले की सूचना मिलने पर , प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद के निदेर्शानुसार उन्हें तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई तथा सुरक्षित रूप से मिशनरीज ऑफ चैरिटी, मेमको मोड़, धनबाद में ठहराया गया।इसके बाद डालसा की रेस्क्यू टीम ने सक्रियता दिखाते हुए बुजुर्ग के घर एवं परिजनों का पता लगाया। टीम के प्रयासों से उनके परिवार से संपर्क स्थापित किया गया। सोमवार को परिजनों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय, धनबाद बुलाया गया, जहां सचिव द्वारा सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सिमोनतो दास को सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

इस अवसर पर सचिव, डालसा ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पूरी टीम जरूरतमंद, असहाय, बुजुर्ग एवं वंचित व्यक्तियों को सहायता और न्याय दिलाने के लिए हमेशा तत्पर है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर एवं असहाय लोगों तक कानूनी सहायता और आवश्यक सहयोग पहुंचाना प्राधिकरण की प्राथमिकता है। इस सफल पहल की परिजनों ने सराहना करते हुए डालसा की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

आसनसोल रेल मंडल व चिरकुंडा नप के अधिकारियों ने पथ निर्माण को ले किया निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : सांसद ढुलू महतो के पत्र के आलोक में आसनसोल रेल मंडल के अधिकारी व चिरकुंडा नप के अधिकारियों की उपस्थिति में कुमारधुबी रेल स्टेशन से लायकडीह रेल साइडिंग तक के लिंक रोड में कच्चा पथ का संयुक्त निरीक्षण बुधवार को किया गया। आसनसोल रेल मंडल के सीनियर डिवीजनल इंजीनियर 1 के आदेश पर अनापत्ति प्रमाण पत्र देने को लेकर संयुक्त निरीक्षण किया गया। सांसद श्री महतो ने इस मामले को लेकर रेल मंत्री अश्नवी वैष्णव, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव, डीसी धनबाद को पत्र लिखकर इस मामले को गंभीरता से लेने की बात कही थी।नप क्षेत्र में वार्ड 2 में पुराना जीटी रोड से कांच तालाब तक, वार्ड 9 में पीडब्लूडी गेस्ट हाउस से बेलचा फैक्ट्री तक, नेहरू रोड पंचमुखी मन्दिर से बेलचा फैक्ट्री तक एवं वार्ड नंबर 17 में नेहरू रोड रेलवे फाटक से वृंदावन कॉलोनी तक पीसीसी सड़क व नाला निर्माण किया जाना है। इस कच्चा सड़क के आसपास क्षेत्र की घनी आबादी रहती है जिसे आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। नप के पूर्व उपाध्यक्ष व भाजपा नेता जयप्रकाश सिंह ने इस मामले को लेकर लगातार सांसद श्री महतो को यहां की समस्याओं से अवगत कराते रहे और सांसद ने भी इस समस्या को गंभीरता से लिया।रेलवे व नप के संयुक्त निरीक्षण के बाद यह आशा जगा है कि कच्चा पथ अब पीसीसी में परिणत होगा।संयुक्त निरीक्षण के बाद संयुक्त रिपोर्ट तैयार कर आसनसोल रेल मंडल के सीनियर डिवीजनल इंजीनियर के समक्ष रखा जाएगा और उसके बाद एनओसी की प्रक्रिया होगी। एनओसी मिलने के बाद पीसीसी सड़क व नाला का डीपीआर तैयार होगा।मौके पर नप अध्यक्ष सुनीता देवी, उपाध्यक्ष विजय कुमार यादव, ईओ प्रियंका कुमारी, सीनियर सेक्शन इंजीनियर वर्क्स सीतारामपुर शिव कुमार, एई अंकित परासर, सिटी मैनेजर मुकेश निरंजन, पूर्व उपाध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, कन्सलटेंसी निशांत सिंह, जेई शोभिक मंडल, संतोष कुमार, अरविंद साहू, मनोज साव सहित अन्य कर्मी व अधिकारी मौजूद थे।

अवैध खनन की होगी समीक्षा, खनन टास्क फोर्स की बैठक 27 को,पिछली बैठकों के निदेर्शों और कार्रवाई की होगी समीक्षा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक 27 जून को उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में होगी।इसमें पिछली बैठक में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही कोल कंपनियों को विभिन्न पत्रों और बैठकों के माध्यम से जारी निदेर्शों पर हुई कार्रवाई का आकलन किया जाएगा। टास्क फोर्स के सदस्य विभागों द्वारा अवैध खनन, परिवहन और भंडारण को रोकने के लिए किए गए प्रयासों की भी समीक्षा होगी। बैठक के एजेंडे में लघु एवं वृहत खनिजों के अवैध उत्खनन, भंडारण और परिवहन के विरुद्ध चलाए गए अभियानों की समीक्षा प्रमुख रूप से शामिल है। अवैध खनन से जुड़े मामलों में दर्ज प्राथमिकी, आरोपितों की गिरफ्तारी की स्थिति तथा विशेष शाखा झारखंड एवं अन्य स्रोतों से प्राप्त शिकायतों पर की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा निदेशक, खान, झारखंड द्वारा प्राप्त पत्रों के आलोक में जिलास्तर पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी बैठक में रखी जाएगी। बैठक में नदी तल में हो रहे अवैध खनन और बंद पड़ी खदानों की स्थिति पर विशेष चर्चा होगी। साथ ही बीसीसीएल, ईसीएल समेत अन्य कोल कंपनियों द्वारा प्रोग्रेसिव माइन क्लोजर प्लान (पीएमसीपी) के तहत संरक्षण, पर्यावरणीय शमन, पौधारोपण, भूमि पुनर्वास व सतत खनन के क्षेत्र में किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी।प्रशासन पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन और खनन क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति का भी आकलन करेगा।

दिनदहाड़े कोलकर्मी के घर चोरी, नकद समेत लाखों के जेवरात ले उड़े चोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : बरोरा थाना क्षेत्र के मुराईडीह श्रमिक कॉलोनी में बुधवार को दिन के उजाले में चोरों ने एक कोलकर्मी के बंद आवास का ताला तोड़कर नकद एवं लाखों रुपये मूल्य के जेवरात की चोरी कर ली। घटना की सूचना मिलने पर बरोरा पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, मुराईडीह श्रमिक कॉलोनी निवासी बीसीसीएल कर्मी मोतीलाल मांझी अपनी पत्नी के इलाज के लिए सुबह 11 बजे धनबाद गए हुए थे। शाम करीब पांच बजे घर वापस लौटने पर उन्हें चोरी की घटना का पता चला।पीड़ित ने बताया कि चोरों ने पहले घर की चहारदीवारी का ताला तोड़ा, इसके बाद आवास के दो कमरों का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। घर के भीतर रखी आलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे करीब 10 हजार रुपये नकद तथा लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। चोर जेवरात निकालकर उनके खाली डिब्बे पलंग पर ही छोड़ गए।

धनबाद में 74.73% मतदाताओं की हुई मैपिंग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिले में 74. 73 फीसदी मतदाताओं की मैपिंग हो गई है। छूटे मतदाता अपनी मैपिंग करा लें। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया चल रही है। पांच अगस्त को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा और 7 अक्तूबर अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी। उक्त बातें बुधवार को डीसी आदित्य रंजन ने संवाददाता सम्मेलन में कही। डीसी ऑफिस के सभागार में इसका आयोजन हुआ था। जिले में चल रहे एसआईआर की स्थिति की जानकारी देने के लिए इसका आयोजन किया गया था। डीसी ने बताया कि एसआइआर प्रक्रिया में धनबाद के 74.73% मतदाताओं का मैपिंग संपन्न हो गई है।इसमें सिंदरी विधानसभा के 83.34%, निरसा के 85.04%, धनबाद के 56.67%, झरिया के 63.64%, टुंडी के 85.79% एवं बाघमारा विधानसभा के 80.46% मतदाताओं की मैपिंग कर ली गई है। जिले के 21 लाख 15 हजार 997 मतदाताओं में से 15 लाख 81 हजार 364 मतदाताओं की मैपिंग हो गई है। जबकि 5 लाख 34 हजार 633 मतदाताओं की मैपिंग नहीं हुई है। वहीं सिंदरी विधानसभा में 75884, निरसा में 69806, धनबाद में 60607, झरिया में 50770, टुंडी में 63873 व बाघमारा विधानसभा में 52467 मतदाताओं सहित 373407 मतदाताओं में विसंगतियां पाई गई। एसआइआर की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मीडिया को बताया कि सभी विधानसभा के ईआरओ यह सुनिश्चित करेंगे कि एसआइआर के दौरान कोई भी योग्य नागरिक छूटा नहीं है तथा किसी भी अयोग्य व्यक्ति को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि एसआइआर के दौरान जो भी मतदाता अपना गणना प्रपत्र जमा करेंगे उन्हें पिछले इंसेंटिव रिवीजन के साथ मैपिंग के साथ या बिना मैपिंग के ड्राµट मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। साथ में बताया कि जिन मतदाता ने साइन करने से मना कर दिया है और जिन मतदाता का नाम एब्सेंट, शिµटेड, डेथ या डुप्लीकेट लिस्ट में है, उनके गणना प्रपत्र को ड्राµट मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। वही वैसे मतदाताओं को सुनवाई का मौका दिए बिना ड्राµट रोल से किसी का नाम नहीं हटाया जाएगा। किसी भी प्रभावित व्यक्ति के लिए दो लेवल की अपील का प्रावधान है। जबकि नए मतदाता को डिक्लेरेशन फॉर्म के साथ फॉर्म 6 भी जमा करना होगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि यदि कोई भी भारतीय नागरिक है और उनका नाम वर्तमान मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं है तो वे फॉर्म 6 एवं घोषणा पत्र के साथ जन्मतिथि के अनुसार स्वयं अथवा स्वयं के साथ माता या पिता या स्वयं के साथ माता एवं पिता दोनों का दस्तावेज देना होगा। उन्होंने बताया कि यदि किसी का जन्म 1 जुलाई 1987 से पहले भारत में हुआ है तो उनको सिर्फ स्वयं का दस्तावेज देना होगा। यदि जन्म 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच भारत में हुआ है तो उनका स्वयं के साथ माता अथवा पिता में से किसी एक का दस्तावेज देना होगा। जबकि यदि किसी का जन्म 2 दिसंबर 2004 के बाद भारत में हुआ है तो उनको स्वयं के साथ माता एवं पिता दोनों के दस्तावेज देने होगा। उन्होंने बताया कि यदि किसी का जन्म भारत के बाहर हुआ है एवं उनके माता-पिता भारतीय नागरिक हैं तो उनको, उनके जन्म वाले देश में स्थित भारतीय दूतावास से जारी जन्म प्रमाण पत्र देना होगा। वहीं यदि उनका जन्म भारत के बाहर हुआ है एवं उनके माता-पिता भारत के नागरिक नहीं है तो उनको नागरिकता प्रमाण पत्र देना होगा। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय सारणी पर प्रकाश डालते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मीडिया को बताया कि 20 जून से 29 जून तक प्रशिक्षण एवं मुद्रण कार्य संपन्न किया जा रहा है। 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ द्वारा घर-घर भ्रमण करेंगे। 29 जुलाई तक मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन पूरा कर लिया जाएगा। 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्ति करने के लिए समय निर्धारित किया गया है। 5 अगस्त से 3 अक्टूबर तक दावों एवं आपत्तियों का निपटान किया जाएगा। जबकि 7 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को त्रुटि रहित एवं समय पर संपन्न कराने के लिए उप निर्वाचन पदाधिकारी, सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, बूथ लेवल एजेंट -2, वलिंटियर्स को प्रशिक्षित किया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि कोई भी मतदाता वेबसाइट पर 2003 के मतदान केंद्र की जानकारी, 2003 की मतदाता सूची को डाउनलोड, 2003 की मतदाता सूची में अपना नाम, अनमैप्ड मतदाता की सूची, बीएलओ का नाम और मोबाइल नंबर एवं देख सकता है। जबकि पर पिछले एसआइआर में अपना नाम, मतदाता सूची से अपना नाम डिलीट करने, वोटर कार्ड में सुधार इत्यादि कर सकता है। मीडिया को मतदान केंद्रों की जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिले में पहले 2372 मतदान केंद्र थे उसमें 112 केंद्रों की बढ़ोतरी के साथ अब यह 2484 हो गए हैं। इसमें कुछ विधानसभा में मतदान केंद्रों में बढ़ोतरी हुई है जबकि कुछ विधानसभा में मतदान केंद्रों की संख्या कम हुई है। पत्रकार वार्ता के समापन से पूर्व जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने जिले के सभी मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को सहयोग कर अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य रुप से मैपिंग कराने की अपील की। पत्रकार वार्ता में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह के अलावा बड़ी संख्या में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

सुविधाएं बढ़ी तो सदर अस्पताल में मरीजों की संख्या भी बढ़ी : डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः सदर अस्पताल में सुविधाएं बढ़ी तो यहां इलाज के लिए आनेवाले मरीजों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। ओपीडी के साथ साथ इलाज के लिए भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। सर्जरी के लिए आने वाले मरीज की भी संख्या लगातार बढ़ रही है। उक्त जानकारी डीसी आदित्य रंजन ने बुधवार को दी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की दृढ़ इच्छाशक्ति के फलस्वरूप एक वर्ष में धनबाद के हृदय स्थल पर स्थित सदर अस्पताल की सूरत और सीरत दोनों में अभूतपूर्व बदलाव आया है। डीसी आदित्य रंजन एवं उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बताया कि सदर अस्पताल के आइपीडी में जहां जनवरी से मई 2025 तक केवल 696 मरीज भर्ती थे वहीं जून 2025 से मार्च 2026 तक इसमें 542% वृद्धि के साथ 4,466 मरीज भर्ती हुए और सफल इलाज कराकर डिस्चार्ज हुए। वहीं ओपीडी में जनवरी से मई 2025

तक जहां 35,008 मरीज आए वहीं जून 2025 से मार्च 2026 तक 1,04,702 मरीज सदर अस्पताल में आए। अस्पताल की मासिक औसत 7,000 से बढ़कर 10,470 हुई। जो लगभग 199% की वृद्धि है। अस्पताल ने सीजेरियन डिलीवरी में बड़ी प्रगति हासिल की है। जनवरी से मई 2025 तक जहां 162 डिलीवरी हुई वहीं जून 2025 से मार्च 2026 तक 1,100 डिलीवरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में भी महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।मॉडल कुपोषण उपचार केंद्र में जनवरी-मई 2025 तक 17 बच्चों का उपचार हुआ। जबकि जून 2025-मार्च 2026 तक 211 गंभीर कुपोषित बच्चों का उपचार किया गया।उन्होंने बताया कि अब सदर अस्पताल में बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं इसलिए उनके खान-पान की व्यवस्था के लिए दीदी कैफे का संचालन भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल में विश्वस्तरीय और संक्रमण मुक्त ऑपरेशन थियेटर बनने से जटिल सर्जरियों की सफलता दर बढ़ेगी और गरीब मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं आइसीयू व सीसीयू की स्थापना से गंभीर और हृदय रोगियों को 'गोल्डन ऑवर' में तुरंत इलाज मिलेगा, जिससे बड़े शहरों में रेफर करने की नौबत नहीं आएगी और जानें बचेंगी।बताया कि इसके अलावा 7 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कंगारू मदर केयर की स्थापना से समय से पहले जन्मे और कम वजन वाले नवजात शिशुओं की जान बचेगी और शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी। बताया कि जिला विकलांग पुनर्वास केंद्र के मजबूत होने से दिव्यांगजनों को एक ही छत के नीचे सहायक उपकरण और थेरेपी मिलेगी, जिससे वे आत्मनिर्भर होकर मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। बताया कि वर्तमान में सुपर स्पेशियलिटी में कार्डियोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी, मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, रेस्पिरेटरी मेडिसिन, नेफ्रोलॉजी ओपीडी शुरू है।

फायर सेफ्टी मानकों की अनदेखी करने वालों पर होगी कार्रवाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः उत्तर प्रदेश के कोचिंग में अगलगी की घटना के बाद धनबाद जिला प्रशासन रेस हो गया है। छात्रों की सुरक्षा से खिलवाड़ और अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले कोचिंग संस्थानों पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। बुधवार को एसडीएम लोकेश बारंगे के नेतृत्व में जिला प्रशासन की विशेष टीमों ने शहर के कोचिंग संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने सिटी सेंटर तथा सरायढेला के विभिन्न कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई नामी और छोटे कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा नियमों की गंभीर कमियां पाई गईं। इसके बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कई संस्थानों को सभी जरूरी सुरक्षा मानक पूरे होने तक तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश जारी किए हैं। जिसकी लिखित हस्ताक्षर किए हुए दस्तावेज संबंधित कोचिंग संचालकों से प्राप्त की गई। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन जांच के दौरान पाया गया कि कई संस्थानों में न तो आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम थे और न ही आपातकालीन निकास की व्यवस्था थी। कई कोचिंग सेंटरों में वेंटिलेशन की भारी कमी थी और क्षमता से दोगुना बच्चों को एक साथ बिठाया जा रहा था। मानक नहीं पूरा करने वाले संस्थानों को अस्थायी रूप में बंद करने का आदेश एसडीओ ने दिया। जिला अध्यक्ष अग्निशमन विभाग से 'नो ने ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' और सभी मानक पूरे नहीं कर लेते, तब तक वहां कक्षाओं के संचालन पर पूरी तरह रोक रहेगी। अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। व्यावसायिक लाभ के लिए बच्चों की जान को जोखिम में डालने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। सभी कोचिंग संचालक जल्द से जल्द सरकारी गाइडलाइंस के तहत अपनी सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कर लें, अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय झा, अंचल अधिकारी राम प्रवेश कुमार, जिला अग्निशमन पदाधिकारी लक्षण प्रसाद, नगर निगम के पदाधिकारी, जिला सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी आलोक कुमार मिश्रा समेत थाना प्रभारी, विद्युत विभाग के भी पदाधिकारी मौजूद थे।

अब प्रखंडों में बनेगा ड्राइविंग लाइसेंस, प्रखंडों में लगेगा विशेष कैंप,परिवहन विभाग ने जारी किया प्रखंडवार कैंप कार्यक्रम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : वाहन चालकों को सुविधा देने और ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए परिवहन विभाग ने धनबाद जिले के विभिन्न प्रखंडों में विशेष कैंप लगाने का निर्णय लिया है।इसे लेकर जिला परिवहन पदाधिकारी मंगलवार को सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों व अंचल अधिकारियों को पत्र जारी कर कैंप के व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश दिया है। यह पहल परिवहन विभाग, झारखंड सरकार के निर्देश पर की जा रही है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को जिला मुख्यालय आए बिना लाइसेंस संबंधी सेवाएं मिल सकें।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गोविंदपुर में चार जुलाई, निरसा में 11 जुलाई, तोपचांची में 18 जुलाई, कलियासोल में 25 जुलाई, बलियापुर में एक अगस्त, एग्यारकुंड में आठ अगस्त, बाघमारा में 22 अगस्त तथा पूर्वी टुंडी में 29 अगस्त 2026 को कैंप आयोजित किए जाएंगे। सभी कैंप सुबह 10:30 बजे से दोपहर दो बजे तक संचालित होंगे, जहां नवसिखुआ चालक अनुज्ञप्ति (लर्नर लाइसेंस) बनाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवेदकों को कैंप में आने से पहले सारथी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा।आवेदन के बाद फीस रसीद, स्लॉट बुकिंग, एप्लीकेशन रेफरेंस स्लिप, आवेदन प्रपत्र और सभी दस्तावेजों की रंगीन छायाप्रति साथ लानी होगी।इसके अलावा आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और ब्लड ग्रुप से संबंधित मूल दस्तावेज भी प्रस्तुत करने होंगे।

मुहर्रम में सुरक्षा के लिए धनबाद बंटा सात जोन में

आज से मुहर्रम की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा कंट्रोल रूम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः मुहर्रम को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। सुरक्षा के लिए जिले को सात जोन में बांटा गया है। हर जोन के लिए एक वरीय प्रभारी प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी की तैनाती की गई है। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। यह 25 जून से काम करना शुरू करेगा और मुहर्रम खत्म होने तक काम करेगा। इसके लिए डीसी -एसीएसपी के हस्ताक्षर जिला आदेश जारी कर दिया जिले को कतरास, धनबाद, चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर एवं टुंडी जोन में बांटा है। सभी जोन में जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तथा सभी थाना व ओपी में पुलिस पदाधिकारी के साथ

दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही सभी थाना क्षेत्र में पुलिस का चलंत दस्ता लगातार भ्रमणशील रहेगा। क्विक रिस्पॉन्स टीम भी मौजूद रहेगी। मुहर्रम पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले समस्त ताजिया जुलूसों के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्र, विशेष कर डीजे के प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे इसके संपूर्ण प्रभार में रहेंगे। डीएसपी सीसीआर प्रदीप कुमार साव पुलिस पदाधिकारियों के वरीय प्रभार में रहेंगे। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 0326 - 2311807, 112 है। धनबाद, बैंक मोड़, सरायढेला, धनसार, झरिया, जोरापोखर, सुदामडीह, पाथरडीह, तिसरा, सिंदरी, बलियापुर, केंदुआडीह, पुटकी, लोयाबाद, जोगता, कतरास, राजगंज, महुदा, मधुबन, बरोरा, तेतुलमारी, बाघमारा, तोपचांची, हरिहरपुर, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, टुंडी, पुर्वी टुंडी, मनियाडीह, निरसा, चिरकुंडा थाना तथा भूली ओपी, घनुआडीह, बोरागढ़, भौंरा, लोदना, अलखडीहा, गौशाला, मुनिडीह, भागाबांध, अंगारपथरा, कपूरिया, रामकनाली, गोंदुडीह, खरखरी, ईस्ट बसुरिया, सोनारडीह, धमाबांध, कालूबथान, कुमारधुबी, मैथन, गलफरबाड़ी, खरखरी, भाटडीह एवं पंचेत ओपी में पुलिस पदाधिकारियों के साथ साथ दंडाधिकारी तथा चलंत दस्ता रहेगा। पुलिस का चलंत दस्ता लगातार भ्रमणशील रहेगा। वहीं अनुमंडल दंडाधिकारी, सभी डीएसपी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, साइबर डीएसपी, साइबर थाना प्रभारी व्हाट्सएप ग्रुप सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार नजर बनाए रखेंगे। मुहर्रम के अवसर पर सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक, लोक शांति या विधि व्यवस्था को प्रभावित करने वाली सामग्री पर पुलिस के सोशल मीडिया मोनिटरिंग सेल की विशेष निगरानी रहेगी। ऐसा करने वालों के विरुद्ध विधि सम्मत एवं नियमानुकूल कार्रवाई की जाएगी। आदेश में विधि व्यवस्था एवं प्रशासनिक नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए सभी राजपत्रित पदाधिकारी एवं पर्यवेक्षक मुख्यालय में मौजूद रहेंगे। पुलिस कर्मियों का अवकाश भी तात्कालिक प्रभाव से स्थगित किया गया है।

तोपचांची में डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : तोपचाँची में नवस्थापित डायलिसिस केंद्र का बुधवार को विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो, डीसी आदित्य रंजन तथा उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के मरीजों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण के लिए राज्य सरकार ऐसी जनहितकारी पहलें निरंतर जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध

है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। तोपचाँची में इस डायलिसिस केंद्र के खुलने से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा और समय पर इलाज मिलने से कई जानें बचाई जा सकेंगी। डीसी ने कहा कि इस केंद्र के शुरू होने से अब स्थानीय मरीजों को डायलिसिस के लिए धनबाद या अन्य शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं (जैसे आयुष्मान भारत) के तहत पात्र मरीजों को निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। केंद्र में अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें और जीवन रक्षक उपकरण लगाए गए हैं, ताकि मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा मिल सके। मरीजों की देखभाल के लिए प्रशिक्षित तकनीशियन और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम तैनात की गई है। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी, कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर बताया है।

बीपीएससी में 95वीं रैंक हासिल करने वाले शुभम कुमार को किया सम्मानित

धनबाद। हीरापुर प्रोफेसर कॉलोनी, चीरागोड़ा धनबाद में रहने वाले शुभम कुमार बरनवाल युवा मंच धनबाद ने सम्मानित किया। मूल रूप से बिहार के जमुई जिला निवासी शुभम का चयन बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में हुआ है। उन्हें 95वीं रैंक के साथ हुआ है। उनका चयन अनुमंडल दंडाधिकारी (एसडीएम) पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, शुभचिंतकों तथा पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। शुभम कुमार के दादा भगवान लाल बरनवाल तथा पिता प्रदीप बरनवाल हैं। उनकी माता उषा देवी हैं। परिवार मूल रूप से जमुई जिले के झुण्डों खेरा क्षेत्र के निवासी है। उनके पिता हीरापुर के पार्क मार्केट स्थित माधव अपार्टमेंट में व्यवसाय करते हैं। शुभम की प्रारंभिक शिक्षा धनबाद में हुई। उन्होंने वर्ष 2013 में जीजीसीईटी सेंट जेवियर्स स्कूल से मैट्रिक तथा इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के केशव महाविद्यालय से कंप्यूटर साइंस में स्नातक किया। स्नातक के बाद उन्होंने दिल्ली में रहकर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी की और दो वर्ष पूर्व केंद्रीय सिविल सेवा परीक्षा के साक्षात्कार चरण तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की थी।

25-06-2026 T.P. Page 4_Layout 1 25-06-2026 06:19 Page 1

संक्षिप्त खबरें

मोहर्रम को लेकर हनवारा पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, अफवाहों से बचने की अपील

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गोड्डा : मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर हनवारा थाना पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के नरैनी, परसा, कोयला, बिशनपुर, हनवारा, रामकोल, विश्वासखानी, नारायणपुर, गढ़ी, कुशमहार, अंजाना एवं दैहया सहित विभिन्न गांवों में फ्लैग मार्च निकाला गया।फ्लैग मार्च का नेतृत्व हनवारा थाना प्रभारी ध्रुव कुमार ने किया। इस दौरान पुलिस बल ने संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा शांति एवं सद्भाव के साथ मोहर्रम मनाने की अपील की।थाना प्रभारी ध्रुव कुमार ने कहा कि मोहर्रम पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध सूचना की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी लोग आपसी सहयोग, भाईचारे और आपसी सद्भाव के साथ मोहर्रम पर्व मनाएं, ताकि क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द का वातावरण कायम रहे। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि असामाजिक तत्वों एवं अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस की विशेष नजर है और ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ठनका गिरने से तेरह वर्षीय मासूम की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : नगड़ी थाना क्षेत्र के देवरी कुम्हार टोली निवासी संजय महतो के (13) पुत्र हनी कुमार की ठनका (आकाशीय बिजली) की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई।घटना दोपहर तकरीबन 3 बजे के करीब की है।मिली जानकारी के अनुसार हनी अपने घर से अपने घर के जानवरों को लाने खेत में गया था।घटना के वक्त हल्की बारिश हों रही थी।छाता पकड़े हनी खेत में जानवरों को घर लाने जा रहा था तभी आकाशीय बिजली उसके ऊपर गिर गया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गयी।हनी कुमार अपने मां और पिता का इकलौता संतान था।नगड़ी के ही इंडियन पब्लिक स्कूल में कक्षा पांचवीं का छात्र था।हनी के असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गयी।घटना की सूचना मिलते ही देवरी कुम्हार टोली गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं और परिवार को सांत्वना दे रहे हैं।घटना की सूचना नगड़ी थाना को दे दी गयी है। पुलिस मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है।

एक ही ट्रैक पर पहुंचीं दो वंदे भारत ट्रेनें, सिग्नल प्रणाली ने टाला बड़ा हादसा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : जिले के चालकुशा प्रखंड स्थित दशहरा ब्लॉक हॉल्ट के समीप बुधवार को उस समय बड़ा रेल हादसा टल गया, जब एक ही ट्रैक पर चल रहीं दो वंदे भारत ट्रेनें काफी नजदीक पहुंच गईं। हालांकि आधुनिक सिग्नल प्रणाली के सक्रिय होने से पीछे चल रही ट्रेन स्वतः नियंत्रित हो गयी और संभावित दुर्घटना टल गई।चौबे स्टेशन मास्टर ने संजय कुमार ने बताया कि दोनों ट्रेनें डाउन लाइन की वंदे भारत एक्सप्रेस थीं। आगे चल रही ट्रेन गया-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस (20894) थी, जबकि उसके पीछे पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस (22306) चल रही थी। किसी कारणवश पीछे वाली ट्रेन आगे वाली ट्रेन के काफी नजदीक पहुंच गई। नई सिग्नल प्रणाली के तहत लोको पायलट को सतर्क संकेत मिला, जिसके बाद उन्होंने तत्काल ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया।रेल अधिकारियों के अनुसार, घटना में किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं हुआ और न ही रेल परिचालन प्रभावित हुआ। सभी ट्रेनों का परिचालन सामान्य रूप से जारी है। घटना के बाद रेल महकमे में कुछ देर तक हलचल रही। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा प्रणाली के प्रभावी संचालन के कारण बड़ा हादसा टल गया।

शांति और सौहार्दपूर्ण में मुहर्रम पर्व मनाने को लेकर शहर में फ्लैग डीसी एसपी ने किया फ्लैग मार्च

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : हजारीबाग जिले में मुहर्रम पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मानने को लेकर डीसी हेमंत सती, एसपी अमन कुमार के नेतृत्व में बुधवार को शहर के सभी मार्गो में फ्लैग मार्च किया गया।डीसी, एसपी ने लोगो को पर्व में अमन, शांति और भाई चारगी का संदेश दिया।फ्लैग मार्च की शुरूआत हजारीबाग नियंत्रण कक्ष से की गई।इसमें सदर एसडीओ, एसडीपीओ, इंस्पेक्टर, सदर, लोहसिंघना, कोर्रा, बड़ाबाजार, पेलावल थाना प्रभारी, शस्त्र पुलिस जिला बल, जैप के जवान शामिल थे।फ्लैग मार्च नवाबगंज, इंद्रपुरी चौक, कल्लू चौक, मेन रोड, झंडा चौक, पंच मंदिर चौक, चतरा स्टैंड, जामा मस्जिद, सुजायत चौक, सरदार चौक, बड़ाबाजार चौक, बंसी लाल चौक, अन्नदा चौक होते हुए नियंत्रण कक्ष वापस हुए।

अफवाह नही फैलाने का अपील- फ्लैग मार्च के दौरान डीसी, एसपी ने पर्व के दौरान अफवाह नही फैलाने का अपील शहर वासियों से किया। अफवाह फैलाने वालों को पुलिस चिन्हित कर त्वरित करवाई करेगी। एसपी ने मुहर्रम जुलूस के दौरान दूसरे समुदाय को आहत करने जैसे गीत संगीत नहीं बजाने का भी अपील किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आपत्ति जनक मैसेज पोस्ट करनेवाले लोगो को चिन्हित करने के लिए एक सेल का गठन किया गया है। वैसे असामाजिक और शरारती तत्वों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

गिरफ्तारी के विरोध में जरियागढ़ थाना का घेराव, ग्रामीणों ने लगाया साजिश का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : कर्रा प्रखंड के प्रखंड के लापा बांध टोली निवासी सुनीत केरकेट्टा की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को संयुक्त पड़हा संघ के नेतृत्व में दर्जनों गांवों के सैकड़ों महिला-पुरुषों ने जरियागढ़ थाना का घेराव किया। गिरफ्तारी के विरोध में जुटे ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सुनीत केरकेट्टा को निर्दोष बताते हुए उनकी रिहाई तथा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। इस दौरान बड़ी संख्या में आक्रोशित ग्रामीण थाना परिसर में प्रवेश कर गिरफ्तार सुनीत केरकेट्टा की तलाश करने का प्रयास करने लगे। हालांकि वह थाना परिसर में नहीं मिली। इस-के बाद ग्रामीणों ने थाना के बाहर धरना-प्रदर्शन करते हुए पुलिस पर झूठे आरोप लगाकर निर्दोष लोगों को फंसाने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने कहा कि पुलिस जानबूझ-कर उन्हें झूठे मामले में फंसा रही है।विरोध करने वालों को जेल भेजने की धमकी दी जा रही है. सुनीत केरकेट्टा की पत्नी एग्नेशिया बागे ने बताया कि मंगलवार देर रात करीब 12 बजे जरियागढ़ पुलिस

उनके घर पहुंची।दरवाजा खुलवाने के बाद पुलिसकर्मी घर के अंदर दाखिल हुए और तलाशी ली। इसके बाद पुलिस ने हथियार बरामद होने का दावा करते हुए सुनीत केरकेट्टा को अपने साथ ले गयी।एग्नेशिया बागे ने इस संबंध में थाना में आवेदन देकर अज्ञात वर्दीधारी लोगों द्वारा उनके पति को उठाकर ले जाने की शिकायत की है।पुलिस प्रशासन ने गिरफ्तारी को पूरी तरह वैधानिक बताते हुए कहा है कि सुनीत केरकेट्टा के प्रतिबंधित उग्र-वादी संगठन पीएलएफआई से संबंध होने के संकेत मिले हैं। पुलिस के अनुसार, पूर्व में गिरफ्तार पीएलएफआई उग्रवादियों से बरामद डायरी में सुनीत केरकेट्टा का नाम और मोबाइल नंबर मिला था।इसी आधार पर उनके घर में छापेमारी की गयी।जहां से हथियार और पीएलएफआई से संबंधित पर्चे बरामद होने का दावा किया गया है।पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान बक्सपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के कुछ लोगों के उग्रवादी संगठन से जुड़े होने के प्रमाण मिले हैं। कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।इधर गिरफ्तारी को लेकर पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण जहां निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग कर रहे हैं, वहीं पुलिस अपने दावों पर कायम है।

सुब्रतो फुटबाल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : मारगोमुंडा प्रखंड कार्यालय के समीप स्टेडियम में बुधवार को प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन बीडीओ शशि संदीप सोरेन, बीस सूत्री अध्यक्ष सोहन मुर्मू, मुखिया सुधीर मंडल, बीपीओ मधु कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न विद्यालय के बालक वर्ग के अंडर 15 और अंडर 17 और बालिका वर्ग के अंडर 17 टीम ने भाग लिया। इस दौरान बालक वर्ग के अंडर 15 फुटबाल प्रतियोगिता में उत्क्रमित उच्च विद्यालय सुगापहाड़ी 2 की टीम विजेता बनी।जबकि उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाघमारा की टीम उपविजेता रही।बालक वर्ग के अंदर 17 में राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय मारगोमुंडा की टीम विजेता रही।साथ ही उत्क्रमित उच्च विद्यालय सुगापहाड़ी 2 की टीम उपविजेता रही। बालिका वर्ग के अंदर 17 में झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय मारगोमुंडा की टीम विजेता बनी। राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय मारगोमुंडा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय सुगापहाड़ी 2 और झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय मारगोमुंडा की टीम जिला स्तरीय सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबाल प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया।मौके पर अतिथियों के द्वारा विजेता उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया गया।मौके पर लेखापाल सुनीता कुमारी, डाटा एंट्री आपरेटर परेटर मनोज कुमार शर्मा, शिक्षक मो. मुजाहिद, मो. फैयाज अहमद, पंकज प्रसाद सिंह, दिनेश प्रसाद मंडल, अब्दुल करीम, केशव मंडल, भागवत कुमार, कन्हाई कुमार, अभय कुमार, मो. मुजफ्फर हुसैन रेफरी अकबर अली समेत खेल प्रेमी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना: महुदी पंचायत में लाभुकों का भौतिक सत्यापन शुरू, प्रतिदिन 40 महिलाओं का लक्ष्य

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : नोवामुंडी प्रखंड के महुदी पंचायत भवन में मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना के लाभुकों का भौतिक सत्यापन कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है। योजना की पार-दर्शिता और पात्र लाभुकों तक लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रतिदिन 40 महिलाओं के सत्यापन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।पंचायत सहायक रिंकी बारजो ने बताया कि तैयार सूची के अनुसार प्रतिदिन 40 लाभुक महिलाओं को फोन कर पंचायत भवन बुलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन महिलाओं को पंचायत की ओर से कॉल प्राप्त हो रहा है, वे निर्धारित तिथि पर पहुंचकर अपना सत्यापन अवश्य कराएं। अनावश्यक भीड़ से बचने के लिए केवल उन्हीं लाभुकों को बुलाया जा रहा है, जिनका नाम सूची में शामिल है।

उन्होंने कहा कि सभी पात्र लाभुकों का सत्यापन क्रमवार किया जाएगा, इसलिए किसी को भी घबराने या जल्दबाजी करने की आवश्यकता नहीं है। सत्यापन प्रक्रिया को व्यवस्थित और सुचारु ढंग से पूरा करने के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है।पंचायत सहायक ने लाभुक महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि सत्यापन के लिए आते समय अपने साथ आधार कार्ड, राशन कार्ड और बैंक पासबुक जैसे आवश्यक दस्तावेज अवश्य लेकर आएं, ताकि प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न हो।प्रशासन ने भी लाभुकों से सहयोग करने और निर्धारित समय पर पहुंचकर सत्यापन कार्य पूरा कराने की अपील की है।

28 जून से शुरू होगा पल्स पोलियो अभियान, 20,160 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : नोवामुंडी प्रखंड कार्यालय परिसर में बीडीओ पप्पू रजक की अध्यक्षता में आगामी पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन को लेकर प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में बीडीओ पप्पू रजक ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए सभी विभागों एवं आम लोगों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने सभी कर्मियों को अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का निर्देश दिया।सीएचसी प्रभारी डॉ. हरिपद हेम्ब्रम ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रखंड में 28 जून से पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत होगी। इसके लिए कुल 165 बूथ

बनाए गए हैं। 28 जून को सभी बूथों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा 19 ट्रांजिट बूथों पर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।उन्होंने बताया कि 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच पाएंगे। प्रखंड में कुल 20,160 बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान 30 जून तक चलेगा।स्वास्थ्य विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर आएं और दो बूंद जिंदगी की पिलाकर उन्हें पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित बनाएं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए, तभी पोलियो मुक्त समाज का सपना साकार होगा।

गुमला में दो बच्चों के साथ मां कुएं में कूदी, तीनों की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला के घाघरा थाना स्थित मनातू गांव में एक विक्षिप्त मां ने अपने दो बच्चों के साथ कुआं में कूदकर जान दे दी। बच्चों की भी मौत हो गयी।इससे गांव में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय परदेशनी कुमारी की पिछले आठ महीने से मानसिक स्थिति ठीक नहीं था।बुधवार की दोपहर दोनों बच्चों को लेकर निकली और घर के पीछे स्थित कुआं में जाकर दोनों बच्चों को कुआं में डालने के बाद खुद भी कूद गयी।काफी देर होने के बाद के परदेशनी की गोतनी (देवरानी) ने देखा कि वह नहीं दिख रही है।तब वह इधर-उधर खोजबीन करने लगी। जिसके बाद वह घर के पीछे स्थित कुआं में जाकर देखी तो कुआं के अंदर में एक कपड़ा दिखा जो कपड़ा दिनभर परदेशनी अपने माथे में ढकी रहती थी।

जिससे अंदेशा लगाया गया कि कुआं में ही वह डूब गयी

होगी।जिसके बाद अंदेशा से कुआं के अंदर झागड़ डाला गया तो छह वर्षीय बेटा अंश उरांव झागड़ में फंसा और उसे निकाला गया। जिस-के बाद पूरे गांव के लोग एकजुट हुए और तीनों शव को कुआं से निकाला गया।परदेशनी के साथ-साथ छह वर्षीय अंश उरांव व चार वर्षीय आसमानी कुमारी की मौत हो गयी।मृतका के पति जगन्नाथ उरांव ने बताया कि वह खेत में बीड़ा छीटने के लिए गया था।अचानक उसे सूचना मिली कि कुआं से शव बरामद किया गया है. जिसके बाद घटनास्थल पहुंचा। ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद तीनों शव को कुआं से बाहर निकल गया और घटना की सूचना घाघरा पुलिस को दी गयी। घाघरा पुलिस घटनास्थल पहुंच शव को बरामद कर घाघरा थाना ले आयी है।ग्रामीणों ने बताया कि परदेशनी पहले भी आत्महत्या करने का प्रयास कर चुकी थी।कई बार छत से कूदने का प्रयास तो कई अनावश्यक काम करती थी।लेकिन लोगों का नजर पड़ता था और उसे बचा लिया जाता था।थानेदार मोहन कुमार सिंह ने कहा कि मां की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और दोनों बच्चों को लेकर वह कुआं में कूद गयी।जिससे तीनों का मौत हो गयी है।शव को बरामद कर लिया गया है। देर शाम होने के कारण गुरुवार की सुबह पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जायेगा।

मोहर्रम को लेकर हुड़दंगियों से निबटने के लिए पुलिस ने की मॉक ड्रिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : मुहर्रम शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।बुधवार को केशरी चौक पर मॉक ड्रिल किया गया। पर्व के दौरान शरारती, अपराध प्रवृति के असामाजिक तत्वो से निबटने के लिए मॉक ड्रिल एंटी राईट गियर के सारे सामान के साथ किया गया।जवानो द्वारा पेशेवर तरीके से सारे दंगारोधी इक्विपमेंट, बजरा वाहन, रोबोट ड्रेस, बॉडी प्रोटेक्टर, लाठी, हेलमेट से लैस होकर मॉक ड्रिल किया गया।एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने कहा कि पर्व को शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर मॉक ड्रिल किया गया है।पर्व के दौरान किसी भी स्थिति से निबटने के लिए तैयार है।कानून हाथ में लेने वालो पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।उन्होंने लोगो से आपसी प्रेम व भाईचारगी के साथ त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान असामाजिक तत्वों व सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जायेगी। मौके पर थाना प्रभारी अवधेश सिंह समेत कई पुलिस पदाधिकारी व जवान शामिल थे।मुहर्रम में विधि व्यवस्था बनी रहे, इसे लेकर बुधवार की शाम शहर में जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च किया गया।मार्च का नेतृत्व सीओ अनिल कुमार व एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने संयुक्त रूप से किया।इस दौरान लोगो से मुहर्रम में शांति व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग करने की अपील की गयी। फ्लैग मार्च सदर थाना परिसर से निकलकर जतराहीबाग, केशरी चौक, पुराना पेट्रोल पंप, मेन रोड, खानकाह रोड, महुआ चौक, शहादत चौक, अव्वल मुहल्ला, गुदरी बाजार, चुड़ीहार मुहल्ला समेत अन्य मुहल्लो पर किया गया। फ्लैग मार्च में कई पुलिस पदाधिकारी व जवान शामिल थे।

डीसी के निर्देश पर हुई कार्रवाई,कांटाटोली स्थित सिटी अल्ट्रासाउंड सेंटर सील, जांच के उपकरण जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : कांटाटोली के ग्लैक्सी कॉम्पलेक्स स्थित सिटी अल्ट्रासाउंड सेंटर को जिला प्रशासन ने सील कर दिया है।प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत की गयी है।गुप्त सूचना के आधार पर सिविल सर्जन कार्यालय और प्रशासन की संयुक्त टीम बुधवार को अल्ट्रासाउंड सेंटर पहुंची। वहां टीम ने जांच से संबंधित कागजातों की जांच की। इसके बाद सेंटर में मौजूद अल्ट्रासाउंड मशीन (मेक- जीई, मॉडल-लॉजिक सी-फाइव, कंप्यूटर सेट, प्रिंटर, एएनसी रजिस्टर, बिल बुक सहित अन्य सामग्री को जब्त किया गया।वहीं, सेंटर को तत्काल प्रभाव से सील भी किया गया।यहां बता दें कि जिला प्रशासन को गुप्त सूचना मिली थी कि कांटाटोली चौक के ग्लैक्सी कॉम्पलेक्स के प्रथम तल्ला पर सिटी अल्ट्रासाउंड का संचालन किया जा रहा है।सेंटर का संचालन डॉ राजेश कुमार द्वारा किया जा रहा है, लेकिन बिना पंजीकरण के अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालित हो रहा है। टीम में मजिस्ट्रेट, लोअर बाजार थाना प्रभारी, पुलिस, चिकित्सा पदाधिकारी, सिविल सर्जन कार्यालय के प्रतिनिधि, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एनओ,एचओ, एमओ और अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल थे।इधर, सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा है कि जिला में संचालित सभी अल्ट्रासाउंड सेंटर की हर गतिविधि की जांच की जायेगी।

आयोग के निर्देश पर राजनीतिक दलों को एसआइआर का पढ़ाया गया पाठ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : मारगोमुंडा प्रखंड कार्यालय सभागार में बुधवार को विशेष गहन पुनरीक्षण एसआइआर को लेकर बीडीओ शशि संदीप सोरेन ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस दौरान कार्यक्रम में बीडीओ ने मतदाता सूची के शुद्धिकरण, सत्यापन और अद्यतन की पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी दलों से सक्रिय सहयोग की अपील किया। उन्होंने कहा कि एस आइ आर का

उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है। ताकि केवल पात्र एवं वास्तविक मतदाताओं के नाम ही सूची में शामिल रहें और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम दर्ज न हो।बीडीओ ने बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संचालित की जा रही है। मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर जांच और सत्यापन किया जाएगा तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में रचनात्मक सहयोग दें। यदि कोई सुझाव या आपत्ति हो तो उसे नियमानुसार प्रस्तुत करें। ताकि मतदाता सूची अधिक सशक्त और विश्वसनीय बन सके।कार्यक्रम का उद्देश्य सभी दलों को एस आइ आर की कार्यप्रणाली से अवगत कराना तथा मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना था।मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह 20 सूत्री अध्यक्ष सोहन मुर्मू, मुखिया सुधीर मंडल,सोकत अंसारी,गफरुद्दीन अंसारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज कुमार गुप्ता,गगन तिवारी, नंदकिशोर सिंह, आनंद मंडल, मृत्युंजय तिवारी, कार्तिक मंडल, उमेश मंडल, सुपरवाइजर रंजीत कुमार, कार्तिक नाथ ठाकुर, अमित कुमार,जैनुल अंसारी,मो.सुल्तान, राजेश कुमार आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

करंट लगने से रेल कर्मी की मौत, परिवार व रेलकर्मियों में शोक

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल के गिरिडीह स्टेशन पर सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग में ब्लॉक फीटर के पद पर कार्यरत रामकेश्वर सिंह का करंट लगने से निधन हो गया। वह गया जिले के कोच थाना क्षेत्र स्थित अमवा गांव के स्थायी निवासी थे। बताया गया कि अचानक बिजली का करंट लगने से रामकेश्वर सिंह अचेत होकर गिर पड़े। घटना के बाद सहकर्मियों द्वारा उन्हें तत्काल रेलवे अस्पताल गया लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया तथा रेलवे कर्मचारियों के बीच भी शोक की लहर दौड़ गई। मृतक अपने सरल स्वभाव और कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली के लिए जाने जाते थे। उनके असामयिक निधन से विभाग को अपूरणीय क्षति हुई है। घटना की सूचना मिलने पर धनबाद मंडल से कल्याण निरीक्षक गया पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। इस दौरान रेलवे के प्रावधानों के तहत अंतिम संस्कार एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई।

ड्यूटी के दौरान आरपीएफ जवान का आकस्मिक निधन,शोक

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन आरपीएफ पोस्ट में पदस्थापित आरपीएफ के हेड कांस्टेबल ईश्वर कुमार सिंह का बुधवार को ड्यूटी के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। इस दुखद घटना के बाद आरपीएफ में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक जवान मूल रूप से बिहार के बक्सर जिले के निवासी थे और करीब एक सप्ताह पूर्व ही उनका स्थानांतरण डीडीयू रेल मंडल के सासाराम आरपीएफ पोस्ट से गया जंक्शन आरपीएफ पोस्ट में हुआ था।

घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ एवं रेलवे के अधिकारियों ने गहरा दुख व्यक्त किया। जवान के आकस्मिक निधन की खबर से सहकर्मियों में भी शोक व्याप्त है। फिलहाल घटना के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर तत्काल गया जंक्शन पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

जवान के पार्थिव शरीर को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है जहां आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों ने दिवंगत जवान के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। घटना के बाद गया आरपीएफ पोस्ट सहित पूरे रेल मंडल में शोक का माहौल बना हुआ है।आरपीएफ के दिवंगत जवान को पूरे सम्मान और गरिमा के साथ अंतिम विदाई दी गई। उनका पार्थिव शरीर तिरंगे में लपेटकर आरपीएफ कार्यालय परिषद के प्रांगण में रखा गया जहां अधिकारियों, जवानों और रेल प्रशासन के प्रतिनिधियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।पूर्व मध्य रेलवे के आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार की ओर से भी पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया। इस दौरान वातावरण शोकाकुल रहा और मातमी धुन के बीच सभी ने वीर जवान के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। श्रद्धांजलि सभा में वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर, सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय सिंह, इंस्पेक्टर बनारसी यादव, चंदन कुमार सहित कई अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। सभी ने बारी-बारी से पुष्प चक्र अर्पित कर दिवंगत जवान के कर्तव्यनिष्ठ जीवन और सेवा को नमन किया।इसके बाद जवान को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण से बदलेंगे कक्षा के आयाम, शिक्षकों ने साझा किए नवाचार

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड के प्लस टू राम सहाय उच्च विद्यालय में बुधवार को प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (पीबीएल) के तहत शिक्षकों के क्षमता विकास के उद्देश्य से पियर लर्निंग सर्किल की एक दिवसीय

बैठक आयोजित की गई। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी दिनेश राय की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में गणित एवं विज्ञान विषय के शिक्षकों ने शिक्षण में नवाचार, प्रोजेक्ट आधारित गतिविधियों तथा विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने पर व्यापक चर्चा की।बैठक में कक्षा शिक्षण को रोचक, सहभागितापूर्ण और परिणामोन्मुख बनाने पर विशेष बल दिया गया। शिक्षकों ने विभिन्न विद्यालयों में संचालित प्रोजेक्ट कार्यों, नवाचारी शिक्षण पद्धतियों और विद्यार्थियों के सीखने के अनुभवों को साझा किया। समूह चर्चा के माध्यम से विद्यार्थियों में समस्या समाधान क्षमता, टीम वर्क, रचनात्मकता और क्रिटिकल थिंकिंग विकसित करने के प्रभावी उपायों पर मंथन किया गया।

इस अवसर पर प्रखंड तकनीकी सदस्य राजकुमार पासवान, बिनय कुमार, शैलेंद्र कुमार तथा राहुल कुमार ने फैसिलिटेटर की भूमिका निभाते हुए शिक्षकों को पीबीएल की अवधारणा और उसके प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिक्षकों ने कहा कि पियर लर्निंग सर्किल जैसे मंच न केवल शिक्षण कौशल को समृद्ध करते हैं, बल्कि नवाचारों के आदान-प्रदान का अवसर भी प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष की आय सीमा बढ़ाना गरीब-मध्यवर्ग के लिए बड़ी राहत- सुरेश रुंगटा

पटना, (एजेंसी) : बिहार भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश रुंगटा ने बिहार सरकार द्वारा मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु आर्थिक सहायता प्राप्त करने की वार्षिक आय सीमा 2.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 लाख रुपये किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे अत्यंत जनहितकारी, संवेदनशील और राहतकारी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला केवल एक प्रशासनिक संशोधन नहीं, बल्कि उन हजारों-लाखों परिवारों के प्रति सरकार की मानवीय जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक संकट से जूझते हैं। आज इलाज का खर्च लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में सहायता की आय सीमा बढ़ाया जाना समय की जरूरत थी, ताकि गरीबों के साथ-साथ निम्न एवं मध्यवर्गीय परिवारों को भी इस योजना का लाभ मिल सके। सुरेश रुंगटा ने कहा कि किसी भी संवेदनशील और जवाबदेह सरकार की पहचान इस बात से होती है कि वह संकट की घड़ी में अपने नागरिकों के साथ कितनी मजबूती से खड़ी रहती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय इसी लोककल्याणकारी सोच और संवेदनशील शासन दृष्टि का परिचायक है। इससे बड़ी संख्या में ऐसे परिवारों को राहत मिलेगी, जो गंभीर बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक संसाधनों के अभाव में परेशान रहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का मानना है कि शासन की नीतियां तभी सार्थक मानी जाती हैं, जब उनका सीधा लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष की आय सीमा में वृद्धि ऐसा ही निर्णय है, जो जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद, सुरक्षा और सहारे का नया माध्यम बनेगा। यह कदम ह्लसबका साथ, सबका विकासह्व की भावना को और मजबूत करेगा। भाजपा ने इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि बिहार सरकार आगे भी गरीब, वंचित, जरूरतमंद और इलाज के लिए संघर्ष कर रहे परिवारों के हित में ऐसे ही दूरदर्शी और मानवीय फैसले लेती रहेगी। रुंगटा ने कहा कि जब शासन संवेदना से संचालित होता है, तब नीतियां केवल कागजों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में भरोसा और राहत का वास्तविक आधार बनती हैं।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने पटना-बख्तियारपुर-तिलैया-कोडरमा रेलखंड का किया निरीक्षण

गझंडी-गुरपा घाट सेक्शन के डाउन लाइन में कोयला लोडेड बीओबीआर रेक का

फुटप्लेट निरीक्षण किया गया

हाजीपुर, (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा बुधवार दिनांक 24 जून को पटना-बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया-बंधुआ-कोडरमा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने रेलखंड के विभिन्न स्टेशनों, पुल-पुलियों, ओएचई प्रणाली, पथ-रचना तथा ट्रैक की संरक्षा एवं मजबूती का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोडरमा स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन नए स्टेशन भवन एवं विकसित की जा रही यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि इसके उपरांत गझंडी-गुरपा रेलखंड के मध्य स्थित तीनों सुरंगों (टनलों) से कोयला से लदे बीओबीआरएन रेक

का सफलतापूर्वक परिचालन कराया गया। इस महत्वपूर्ण परिचालन के दौरान महाप्रबंधक महोदय स्वयं इंजन में उपस्थित रहे तथा संपूर्ण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इस फूट प्लेट निरीक्षण के दौरान प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक इंदु रानी दुबे एवं धनबाद के मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र सहित अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे। इस घाट सेक्शन में बीओबीआर रेक के परिचालन प्रारंभ करने के उद्देश्य से इस टनल का रीडिजाइन और डाइमेंशन बढ़ाने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया जा रहा है। पिछले महीने ही महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन में डाउन लाइन में खाली बीओबीआर रेक के परिचालन के ट्रायल का निरीक्षण किया गया था। चुनौतीपूर्ण गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन में बीओबीआर रेक से परिचालन प्रारंभ हो जाने से बाढ़ एवं बरौनी एन.टी.पी.सी प्लांट्स के लिए वैगन टर्नराउंड में सुधार होगा तथा रेक की उपलब्धता बढ़ जाने से ज्यादा लोडिंग संभव हो पाएगा। निरीक्षण के अंत में महाप्रबंधक महोदय गया जं. पहुंचे जहां उन्होंने गया जं. पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास से संबंधित कार्यों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुनर्विकसित स्टेशन भवन आकर्षक डिजाइन के साथ उन्नत एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त होगा।

शहर के हनुमान चौक से हटाया जा रहा अवैध कब्जा, अतिक्रमण को लेकर दुकानदारों को नोटिस

गया में एनएचएआई का अतिक्रमण हटाओ अभियान तेज

गया जी (एजेंसी) : गया शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), जिला प्रशासन और जिला परिवहन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत बुधवार को कुजाप हनुमान चौक समेत राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रशासन द्वारा पहले ही

अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर स्वेच्छा से कब्जा हटाने का निर्देश दिया गया है। पटना-गया-डोभी एनएचएआई मुख्य सड़क के कुजाप हनुमान चौक के समीप आरओबी के पास अवैध तरीके से दर्जनों दुकान लगा दिया गया था। दुकानदारों को नोटिस मिलने के बाद कई दुकानदार अपने गुमटी, ठेला और अस्थायी दुकानों को स्वयं हटाने में जुट गए। वहीं जिन स्थानों पर अतिक्रमण नहीं हटाया गया वहां कार्रवाई के लिए विभागीय स्तर पर जेसीबी मशीन भी तैनात की गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सड़क की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।अभियान का नेतृत्व कर रहे डीटीओ राजेश कुमार का कहना है कि अतिक्रमण के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग और शहर की प्रमुख सड़कों पर लगातार जाम की समस्या उत्पन्न हो रही थी। साथ ही दुर्घटना की आशंका बनी रहती है अभियान का मुख्य उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुगम बनाना अररौर आम लोगों को राहत प्रदान करना है। चेतावनी के बावजूद कब्जा नहीं हटाने वालों पर जुमार्ना लगाने और सामान जब्त करने की कार्रवाई भी की जा रही है।

फतेहपुर में घर से भारी मात्रा में बियर व अंग्रेजी शराब बरामद, विक्रेता गिरफ्तार

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : फतेहपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को थाना क्षेत्र के पतेया गांव में छापेमारी कर पुलिस ने एक घर से एक युवक को बियर एवं अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। फतेहपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पतेया गांव निवासी पिंटू कुमार साव, पिता कैलाश साव, अपने घर में अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने उसके घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान घर से 24 पीस कैन बियर तथा 375 एमएल की 16 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई। मौके से पुलिस ने पिंटू कुमार साव को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

अब हर माह गांवों में गूंजेगा विकास का स्वर, 28 जून को पहली बार मनाया जाएगा पंचायत विकास दिवस

राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में एक साथ होगा आयोजन, मुख्यमंत्री करेंगे राज्यस्तरीय शुभारंभ

फतेहपुर प्रखंड मुख्यालय में बैठक कर बीडीओ ने तैयारियों और जनसहभागिता पर दिया जोर

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग के निदेशानुसार आगामी 28 जून को फतेहपुर प्रखंड की सभी ग्राम पंचायतों में पहली बार ₹पंचायत विकास दिवस₹ का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर बुधवार को प्रखंड मुख्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ शशि भूषण साहू ने की।बैठक में बीडीओ ने बताया कि पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार के निर्देश के आलोक में राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को ₹पंचायत विकास दिवस₹ मनाया जाएगा। जून माह का यह कार्यक्रम 28 जून को आयोजित होगा। बीडीओ शशिभूषण साहू ने बीपीआरओ एवं पंचायत सचिवों को कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी पंचायतों में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर संचालित विकास योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा ग्रामीणों की सहभागिता को बढ़ावा देना है। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में पंचायतवार कार्ययोजना तैयार करने, कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने तथा सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

रेलवे के नए नियमों व बढ़े जुमार्ने की दी गई यात्रियों को जानकारी

गया जंक्शन पर टीटीई और आरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया विशेष जागरूकता अभियान

गया जी(एजेंसी) : रेलवे में यात्रियों की सुरक्षा, अनुशासन और नियमों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गया जंक्शन पर विशेष जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई है। रेलवे के जन विश्वास अधिनियम-2026 के तहत लागू रेलवे के नए नियमों की जानकारी यात्रियों तक पहुंचाने के लिए आरपीएफ और टिकट चेकिंग विभाग द्वारा संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है।गया जंक्शन के विभिन्न प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों तथा ट्रेनों में यात्रियों को नए नियमों, दंडात्मक प्रावधानों और यात्रा संबंधी जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। अभियान के दौरान यात्रियों को यह भी समझाया जा रहा है कि रेलवे नियमों का उल्लंघन करने पर अब

पहले की अपेक्षा अधिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आरपीएफ और टिकट चेकिंग टीम की संयुक्त पहल

पूर्व मध्य रेलवे के जीएम छत्रसाल सिंह, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार के निर्देश पर वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजीव रंजन,डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर के मार्गदर्शन में आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसमें आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव, सीआईबी इंस्पेक्टर चंदन कुमार तथा सीआईटी (प्रशासन) आरआर सिन्हा की सक्रिय भागीदारी रही। अधिकारियों ने यात्रियों से नियमों का पालन करने और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की अपील की।

अभियान के तहत रेलवे कर्मी यात्रियों को विशेष नियमो से अवगत करा रहे है तथा सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से भी आवश्यक जानकारी दी जा रही है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि जागरूकता के माध्यम से नियमों के उल्लंघन की घटनाओं में कमी लाई जा सकेगी।

महिला कोच में प्रवेश और बिना टिकट यात्रा पर भारी जुमार्ना

नए प्रावधानों के अनुसार महिला कोच में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले यात्रियों पर अब 2500 रुपये तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। वहीं बिना टिकट यात्रा करने वालो पर 500 रुपये का पेनाल्टी, रेलवे परिसर में अव्यवस्था फैलाने अथवा ज्वलनशील एवं प्रतिबंधित सामान लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में 10 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अब आरपीएफ को भी निर्धारित मामलों में जुमार्ने की राशि वसूलने का अधिकार दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार इस व्यवस्था से नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद मिलेगी और यात्रियों की सुरक्षा तथा सुविधा को और अधिक मजबूत किया जा सकेगा। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और सुरक्षित, जिम्मेदार तथा सुगम रेल यात्रा में सहयोग करें।

लोधवे में घर के बरामदे में सो रहे वृद्ध पर किया जानलेवा हमला, गर्दन पर पसूली से वार

हमलावर से भिड़कर वृद्ध ने छीनी पसूली, खून से लथपथ घरवालों को जगाया

वृद्ध भोला राजवंशी (65) को गंभीर हालत में किया गया सीएचसी फतेहपुर से गया रेफर

मामले में दो नामजद अभियुक्तों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लोधवे टोला ब्रह्मपिशाच में मंगलवार की देर रात घर के बरामदे में सो रहे 65 वर्षीय वृद्ध भोला राजवंशी पर बदमाश ने पसूली से जानलेवा हमला कर दिया। घटना में वृद्ध का गर्दन कट गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि वृद्ध ने हमलावर से भिड़कर उससे पसूली छीन ली और फिर खून से लथपथ घरवालों को जगाया। घर वाले उन्हें इलाज के लिए सीएचसी फतेहपुर लाए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए गया रेफर कर दिया गया है।

परिजनों ने बताया कि भोला राजवंशी मंगलवार की रात अपने घर के बरामदे में सोए हुए थे। इसी दौरान रात करीब साढ़े 12 बजे एक व्यक्ति वहां पहुंचा और उनके गर्दन पर धारदार हथियार (पसूली) से हमला कर दिया। हमले में उनकी गर्दन गंभीर रूप से जख्मी हो गई।

बताया जाता है कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद भोला राजवंशी ने साहस का परिचय देते हुए हमलावर का मुकाबला किया और उससे पसूली छीन ली। इसके बाद वे खून से लथपथ हालत में दौड़ते हुए घर के दरवाजे के पास पहुंचे और आवाज देकर अपनी पतोहू समेत अन्य परिजनों को जगाया। कुछ ही देर बाद वे बेहोश होकर गिर पड़े।

इधर, घटना के बाद परिजन उन्हें लेकर फतेहपुर थाना पहुंचे, जहां रात में ही पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद परिजन घायल वृद्ध को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गया रेफर कर दिया। घायल वृद्ध के पुत्र मनोज राजवंशी ने बताया कि कि गांव के ही व्यक्ति उसके पिता को आंख

फोड़ देने की धमकी दिया था। इसके बाद रात्रि के समय सोए अवस्था में उसके पिता भोला राजवंशी पर पसूली से गर्दन पर हमला कर दिया। इसमें उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी स्थिति अभी चिंता जनक बनी हुई है।घटना की सूचना मिलने के बाद बुधवार सुबह नौ बजे पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच की। पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों से भी घटना के बारे में जानकारी ली। थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि वृद्ध पर हमला में प्रयुक्त पसूली को जब्त कर लिया गया है। इस मामले में घायल वृद्ध के पुत्र मनोज राजवंशी के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई। इसमें दो लोगों को नामजद किया गया है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने पटना- बख्तियारपुर- तिलैया- कोडरमा रेलखंड का किया निरीक्षण

गझंडी-गुरपा घाट सेक्शन के डाउन लाइन में कोयला लोडेड बीओबीआर रेक का फुटप्लेट निरीक्षण किया

हाजीपुर(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने आज पटना- बख्तियारपुर- तिलैया-बंधुआ-कोडरमा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने रेलखंड के विभिन्न स्टेशनों, पुल-पुलियों, ओएचई प्रणाली, पथ-रचना तथा ट्रैक की संरक्षा एवं मजबूती का अवलोकन किया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोडरमा स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन नए स्टेशन भवन एवं विकसित की जा रही यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा कार्यों की प्रगति की समीक्षा की । इसके उपरांत गझंडी-गुरपा रेलखंड के मध्य स्थित तीनों सुरंगों (टनलों) से कोयला से लदे बीओबीआरएन रेक का सफलतापूर्वक परिचालन कराया गया । इस महत्वपूर्ण परिचालन के दौरान महाप्रबंधक महोदय स्वयं इंजन में उपस्थित रहे तथा संपूर्ण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया । इस फूट प्लेट निरीक्षण के दौरान प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्रीमती इंदु रानी दुबे एवं धनबाद के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र सहित अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे ।

इस घाट सेक्शन में बीओबीआर रेक के परिचालन प्रारंभ करने के उद्देश्य से इस टनल का रीडिजाइन और डाइमेंशन बढ़ाने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया जा रहा है । पिछले महीने ही महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन में डाउन लाइन में खाली बीओबीआर रेक के परिचालन के ट्रायल का निरीक्षण किया गया। चुनौतीपूर्ण गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन में बीओबीआर रेक से परिचालन प्रारंभ हो जाने से बाढ़ एवं बरौनी एनटीपीसी प्लांट्स के लिए वैगन टर्नराउंड में सुधार होगा तथा रेक की उपलब्धता बढ़ जाने से ज्यादा लोडिंग संभव हो पाएगा।निरीक्षण के अंत में महाप्रबंधक ने गया जं. पहुंचे जहां उन्होंने गया जं. पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास से संबंधित कार्यों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । पुनर्विकसित स्टेशन भवन आकर्षक डिजाइन के साथ उन्नत एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त होगा ।

संपादकीय

राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट

मयार्दा पुरुषोत्तम राम का नाम भारतीयों के लिए हमेशा से आत्मा से जुड़ा रहा है। परमात्मा की छवि बनी हुई है। कई फिल्में भी बनीं, जिनमे राम नाम और कलयुग का वर्णन किया गया है। राम वह नाम है जो सारे जीवन आपको एक नई दिशा देता है। जब मृत्यु होती है तब भी कहा जाता है राम नाम सत्य है। संत कबीरदास का एक दोहा है, राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट, अंत समय पछताएगा, जब प्राण जाएंगे छूट। यह दोहा हमें यह बताता है मयार्दा पुरुषोत्तम राम की तरह हम अपने उत्तम आचरण को व्यवहार में लाएं, राम द्वारा बताए गए मार्ग पर चलें। राम के दिखाए हुए मार्ग पर चलेंगे, सारे जीवन राम को ध्यान में रखेंगे तो हमें अंतकाल में पछताना नहीं पड़ेगा। हमारा मनुष्य जीवन सफल होगा। लेकिन लगता है राम मंदिर ट्रस्ट और राम के इस काम में जो लोग शामिल थे उन्होंने ना तो राम की मयार्दा को ध्यान में रखा और ना ही राम उनके आचरण में आए। भगवान राम के सेवक बजरंगबली जिस निष्ठा के साथ भगवान राम की सेवा की है, राम के भक्तों पर अपनी कृपा बरसाई है। इसका उदाहरण सामने होते हुए भी जो लोग राम मंदिर आंदोलन से जुड़े, राम मंदिर का निर्माण किया और राम मंदिर के नाम पर सत्ता के शिखर पर पहुंचे, उन्होंने राम के नाम का पाखंड करके अपनी निजी महत्वाकांक्षाओं को पूरा किया और राम के नाम पर जो कमाई की है उससे राम भक्तों का नाराज होना स्वाभाविक है। राम के नाम पर जो पाखंड किया गया है, जिस तरह से राम मंदिर के धन को लूटा गया है, भगवान राम के प्रति आस्था रखने वालों को भ्रमित किया गया है, अब धीरे-धीरे करके एक-एक पोल खुलती चली जा रही है। ऐसी स्थिति में जो कर्म किए हैं, उनका फल भोगना ही पड़ता है। यह सब राम भक्तों को मालूम था, उसके बाद भी कथित राम भक्तों ने जिस तरह का पाखंड करके भक्तों के साथ लूट की है उसके सामने आने के बाद अब दंडित होने का समय आया है। राम मंदिर के नाम पर अभी तक जितनी लूट हुई है वह हजारों करोड रुपए तक पहुंच रही है। राम के नाम पर जो सत्ता पर काबिज हुए हैं, रामराज के नाम पर जो पाखंड किया गया है। अब वह परत-दर-परत खुलकर सामने आ रहा है। हाल ही में मंदिर प्रबंधन से जुड़े हुए लोगों ने जिस तरह से राम के नाम की आड़ में करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया है, लूट की है, अब उनके दंडित होने का समय आ गया है। एसआईटी ने जो प्रारंभिक जांच की है उस जांच में बड़े-बड़े खुलासे हुए हैं।

जो बच्चों को सिखाते हैं, उन पर बड़े खुद अमल करें तो यह संसार स्वर्ग बन जाय।

: श्रीराम शर्मा आचार्य

चितवन से जो रुखाई प्रकट की जाती है, वह भी प्रोध से भरे हुए कटु वचनों से कम नहीं होती।

: आचार्य रामचंद्र शुक्ल

अतीत का आपातकाल का अध्याय,बर्तमान मे लोकतंत्र की नई चुनौतियाँ

1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल,वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?

25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की वह तिथि है,जिसे स्वतंत्र भारत के सबसे विवादास्पद और बहुचर्चित राजनीतिक निर्णयों में गिना जाता है।आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की सलाह पर देश में आंतरिक आपातकाल लागू किया गया। संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत घोषित इस आपातकाल ने भारतीय लोकतंत्र में नागरिक स्वतंत्रताओं,प्रेस की स्वतंत्रता और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका को कठोर परीक्षा के दौर से गुजारा। लगभग पाँच दशक बाद भी आपातकाल केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं है,बल्कि लोकतंत्र को निरंतर सजग रखने वाली चेतावनी है।उस समय इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इन्दिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित किए जाने,जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चल रहे व्यापक जनांदोलन और राजनीतिक अस्थिरता के माहौल के बीच आपातकाल लागू किया गया। इसके बाद जो घटनाएँ सामने आईं, उन्होंने लोकतंत्र की बुनियाद को झकझोर दिया।विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियाँ हुईं,प्रेस पर सेंसरशिप लागू की गई,नागरिक अधिकार सीमित कर दिए गए और सत्ता का अभूतपूर्व केंद्रीकरण देखने को मिला।जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई,अटल बिहारी वाजपेयी,लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस सहित हजारों राजनीतिक कार्यकताओं को जेलों में डाल दिया गया।मीसा (टक्रअ) और अन्य कानूनों के तहत व्यापक गिरफ्तारियाँ हुईं।अनेक समाचार- पत्रों को समाचार प्रकाशित करने से पहले सरकारी अनुमति लेनी पड़ती थी।लोकतंत्र की आत्मा कहे जाने वाले अभिव्यक्ति के अधिकार पर पहरा बैठ गया था।सर्वोच्च न्यायालय का चर्चित एडीएम जबलपुर मामला आज भी भारतीय न्यायिक इतिहास में बहस का विषय है।उस समय न्यायपालिका का एक बड़ा हिस्सा सत्ता के दबाव के सामने कमजोर दिखाई दिया, जबकि न्यायमूर्ति एच.आर.खन्ना का असहमति वाला मत लोकतांत्रिक साहस का प्रतीक बन गया।बाद में गठित शाह आयोग ने भी प्रशासनिक और राजनीतिक दुरुपयोगों की ओर संकेत किया। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि लोकतंत्र में संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों की रक्षा कितनी आवश्यक है।किन्तु भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह रही कि जनता ने अंततः अपना फैसला सुनाया।1977 के आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई और जनता पार्टी की सरकार बनी।यह केवल सरकार की हार नहीं थी,बल्कि लोकतंत्र की जीत थी।जनता ने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति किसी नेता,दल या सरकार के पास नहीं, बल्कि मतदाता के पास होती है। बाद के वर्षों में कांग्रेस के अनेक नेताओं ने स्वीकार किया कि आपातकाल एक गंभीर राजनीतिक भूल थी।लोकतंत्र केवल दण्ड देने की व्यवस्था नहीं है,वह सुधार का अवसर भी देता है।यही कारण था कि 1980 में जनता ने पुनः इन्दिरा गांधी को सत्ता में लौटने का अवसर दिया।यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का अद्भुत उदाहरण था। *1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल, वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?* यही वह बिंदु है,जहाँ इतिहास वर्तमान से संवाद करता है।आज जब देश आपातकाल की वर्षगाँठ को याद करता है,तब स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न भी उठता है कि क्या लोकतंत्र की समीक्षा केवल अतीत तक सीमित रहनी चाहिए अथवा वर्तमान की परिस्थितियों का भी उसी कसौटी पर परीक्षण होना चाहिए?क्या आपातकाल की स्मृति केवल राजनीतिक हथियार है या लोकतांत्रिक आत्ममंथन का अवसर?प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं।आधार भूत संरचना का विस्तार,एक्सप्रेस-वे,रेलवे और हवाई अड्डों का विकास,डिजिटल इंडिया अभियान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,जनधन योजना,यूपीआई क्रांति,वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती उपस्थिति, जी-20 की सफल अध्यक्षता और विदेश नीति में संतुलित दृष्टिकोण को व्यापक रूप से सराहा गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत की संतुलित कूटनीति,वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में उसकी भूमिका तथा अमेरिका, रूस,यूरोप और पश्चिम एशिया के साथ समानांतर संबंधों ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

यह उपलब्धियाँ वास्तविक हैं और इन्हें नकारना वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा।किन्तु लोकतंत्र केवल उपलब्धियों से नहीं चलता। लोकतंत्र का मूल्यांकन इस आधार पर भी होता है कि सत्ता आलोचना को कितना स्थान देती है,संस्थाएँ कितनी स्वतंत्र हैं,नागरिक कितने निर्भय हैं और विपक्ष को कितना सम्मान प्राप्त है।यहीं से वर्तमान राजनीतिक बहस आरम्भ होती है।

विपक्षी दल और अनेक राजनीतिक विश्लेषक आरोप लगाते हैं कि देश में सत्ता का अत्यधिक केंद्रीकरण हुआ है।प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर समय-समय पर प्रश्न उठते रहे हैं।विपक्ष का आरोप है कि इन एजेंसियों की सक्रियता कई बार राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध अधिक दिखाई देती है।सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है और कहती है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। लोकतंत्र में सच्चाई का निर्णय अदालतें और कानून करते हैं, लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूँजी होता है।इसी प्रकार चुनाव आयोग को लेकर भी समय-समय पर बहस होती रही है।भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया का संचालन करता है और उस्।की निष्पक्षता लोकतंत्र की आधारशिला है।यदि चुनावी संस्थाओं को लेकर आशंकाएँ व्यक्त की जाती हैं तो उनका उत्तर केवल राजनीतिक बयान नहीं,बल्कि अधिक पारदर्शिता और जनविश्वास से दिया जाना चाहिए।लोकतंत्र की असली शक्ति केवल चुनाव कराने में नहीं, बल्कि चुनावों पर जनता के भरोसे में निहित होती है।आज देश का युवा एक अलग प्रकार के संकट से जूझ रहा है।करोड़ों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों लगा देते हैं,लेकिन पेपर लीक की घटनाएँ बार-बार उनके सपनों और विश्वास दोनों को चोट पहुँचाती हैं।बेरोजगारी का प्रश्न आज भी राष्ट्रीय विमर्श का प्रमुख मुद्दा है। आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के बीच संतुलन की चुनौती अभी भी बनी हुई है।शिक्षा का विस्तार हुआ है,लेकिन गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। यह वह प्रश्न है जिसका उत्तर किसी भी सरकार को देना ही होगा।राजनीति का एक और चिंताजनक पक्ष दल-बदल की बढ़ती संस्कृति है।चुनाव के समय एक विचारधारा और दल के नाम पर वोट माँगना और बाद में राजनीतिक लाभ के लिए पाला बदल लेना लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश,कर्नाटक और अन्य राज्यों की राजनीतिक घटनाओं ने यह बहस तेज की है , क्या जनादेश जनता का रहता है या राजनीतिक प्रबंधन का साधन बन जाता है?दुर्भाग्यपूर्ण सत्य यह है कि लगभग सभी दल सत्ता में रहते हुए दल-बदल का स्वागत करते हैं और विपक्ष में रहते हुए उसका विरोध करते हैं।यही भारतीय राजनीति दलो का वह चाल,चेहरा और चरित्र है जिसे जनता अब समझने लगी है।लोकतंत्र में समस्या केवल सरकार की नहीं होती,विपक्ष की भी होती है।यदि सत्ता आलोचना से असहज होती है तो विपक्ष भी कई बार रचनात्मक राजनीति के बजाय केवल विरोध की राजनीति में उलझ जाता है।लोकतंत्र दोनों पक्षों की जिम्मेदारी से चलता है।सत्ता को जवाबदेह होना पड़ता है और विपक्ष को विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना पड़ता है।धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दे भारतीय राजनीति का हिस्सा रहे हैं।राम मंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय था और उसका ऐतिहासिक महत्व भी है।लोकतंत्र में आस्था के साथ जवाबदेही भी आवश्यक होती है।किसी भी सार्वजनिक या धार्मिक परियोजना के संबंध में उठने वाले प्रश्नों का उत्तर पारदर्शिता से दिया जाना चाहिए।इसी प्रकार हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति अल्पकालिक चुनावी लाभ दे सकती है,लेकिन दीर्घकाल में सामाजिक विश्वास और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करती है।भारत की वास्तविक चुनौतियाँ रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य,कृषि, पर्यावरण,सामाजिक न्याय और आर्थिक असमानता हैं।यदि राजनीतिक विमर्श इन मूल प्रश्नों से भटककर केवल भावनात्मक मुद्दों तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र का वास्तविक उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है।सोशल मीडिया के इस युग ने लोकतंत्र को नए अवसर और नई चुनौतियाँ दोनों दी हैं।आज नागरिकों के पास अपनी बात कहने के पहले से कहीं अधिक अवसर हैं। सरकार की आलोचना भी खुलकर हो रही है और समर्थन भी।इसके साथ ही फेक न्यूज,ट्रोल संस्कृति, दुष्प्रचार और वैचारिक कट्टरता जैसी समस्याएँ भी बढ़ी हैं।लोकतंत्र को केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही नहीं,बल्कि जिम्मेदारअभिव्यक्ति की भी आवश्यकता होती है।2024 के लोकसभा चुनाव ने भी भारतीय लोकतंत्र को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।जनता ने राष्ट्रीय स्तर पर सरकार को तीसरा कार्यकाल दिया, लेकिन साथ ही यह भी संकेत दिया कि लोकतंत्र में जनादेश समर्थन और संतुलन दोनों का संदेश देता है।यह परिणाम बताता है कि भारतीय मतदाता न किसी दल का स्थायी समर्थक है और न स्थायी विरोधी।वह समय-समय पर सरकारों को अवसर भी देता है और चेतावनी भी।यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुंदरता है।आज की सरकार के लिए इतिहास का संदेश स्पष्ट है। इन्दिरा गांधी का राजनीतिक कद बहुत बड़ा था, लेकिन जनता ने उन्हें भी सत्ता से बाहर कर दिया था।इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि लोकप्रियता स्थायी है या चुनावी सफलता अंतिम सत्य है। लोकतंत्र में जनसमर्थन निरंतर अर्जित करना पड़ता है।केवल अतीत की गलतियों को याद दिलाकर वर्तमान की चुनौतियों से बचा नहीं जा सकता।यदि बेरोजगारी,शिक्षा,सामाजिक सद्भाव,संस्थागत विश्वसनीयता और पारदर्शिता जैसे प्रश्न उठ रहे हैं तो उनका उत्तर इतिहास नहीं,वर्तमान नीतियों और परिणामों से देना होगा।साथ ही विपक्ष को भी यह समझना होगा कि हर राजनीतिक मतभेद को आपातकाल बताना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है।जनता केवल आलोचना नहीं,विकल्प भी चाहती है।लोकतंत्र भय और आरोपों से नहीं,बल्कि विश्वास और विकल्पों से मजबूत होता है।डॉ.भीमराव अम्बेडकर ने संविधान सभा में चेतावनी दी थी कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो,यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे तो वह अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगा।यह चेतावनी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।जितनी संविधान निर्माण के समय थी।भारत का संविधान किसी दल,नेता या सरकार का दस्तावेज नहीं है।

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारतीय कोचिंग सेंटरों से स्कूलों तक: कब मिलेगी सुशासन की सौगातें? कब रुकेंगी लापरवाही से होने वाली सामूहिक मौतें

लखनऊ मांगे जवाबः अग्निकांड या व्यवस्था की विफलता का हत्याकांड? -समग्र व्यापक विश्लेषण

लखनऊ मांगे जवाबः जहां एक साथ बुझ गए 15 घरों के चिराग, वह अग्निकांड था या व्यवस्था की विफलता का हत्याकांड?

देश के अलग-अलग शहरों में अलग-अलग समय पर एक ही कहानी का बार-बार दोहराया जाना सबसे चिंताजनक पहलू- अधिकांश मामलों में दुर्घटना के बाद ही प्रशासन का सक्रिय दिखाई देना चिंतनीय

वैश्विक स्तरपर 22 जून 2026 को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक कोचिंग सेंटर में लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग घायल हुए। घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया कि क्या भारत में शिक्षा संस्थानों, व्यावसायिक भवनों और सार्वजनिक परिसरों में सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं? दुखद तथ्य यह है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे अनेक हादसे हुए हैं जिनमें सैकड़ों लोगों ने अपनी जान गंवाई, लेकिन हर त्रासदी के बाद कुछ समय तक चर्चा होती है और फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र पूरे भारत को बताना चाहूंगा कि ध्यान देने योग्य बात है यह है कि इन सभी घटनाओं में एक समानता स्पष्ट दिखाई देतीहै,सुरक्षा नियमों की अनदेखी, अवैध निर्माण, अग्निशमन उपकरणों का अभाव, आपातकालीन निकास मार्गों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही।हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं,दोषियों पर कार्रवाई की घोषणा होती है,लेकिन समय बीतने के साथ मामला ठंडा पड़ जाता है। परिणाम स्वरूप अगली त्रासदी किसी नए शहर, नए संस्थान और नए पीड़ितों के साथ सामने आ जाती है।लखनऊ हादसे से पहले जुलाई 2024 में दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित एक प्रसिद्ध कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में जलभराव के कारण तीन प्रतिभाशाली छात्रों की मृत्यु हो गई थी। इस घटना ने कोचिंग उद्योग में अवैध निर्माण और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को उजागर किया था। इसके पहले मई 2019 में गुजरात के सूरत स्थित तक्षशिला कोचिंग सेंटर में लगी आग में 22 छात्र- छात्राओं की जान चली गई थी। कई विद्यार्थियों ने जान बचाने के लिए ऊंची इमारत से छलांग लगा दी थी, जिसकी तस्वीरें पूरे देश को विचलित कर गई थीं। इस तरह की पिछले वर्षों में अनेक घटना हुई है जिन्हें नीचे पैराग्राफ में इतिहास के रूप में बताया गया है।आज आवश्यकता केवल शोक व्यक्त करने की नहीं, बल्कि कठोर और निरंतर कार्रवाई की है। प्रत्येक कोचिंग सेंटर, स्कूल, अस्पताल, मॉल, सिनेमा हॉल और व्यावसायिक भवन का नियमित सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए। नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के लाइसेंस तत्काल निरस्त किए जाने चाहिए। जब तक सुरक्षा को लागत नहीं बल्कि जीवन रक्षा का अनिवार्य दायित्व नहीं माना जाएगा, तब तक लखनऊ, दिल्ली, सूरत, राजकोट और कुंभकोणम जैसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी। देश को अब यह तय करना होगा कि विकास की इमारतें सुरक्षा की मजबूत नींव पर खड़ी हों, न कि लापरवाही की आग में झुलसते मानव जीवन की सटीकता से कीमत पर।

साथियों, भारत में जिला कलेक्टर या जिलाधिकारी प्रशासन का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है। उनके पास कानून-व्यवस्था,आपदा प्रबंधन,विकास कार्यों और विभिन्न विभागों के समन्वय की जिम्मेदारी होती है। यदि प्रत्येक जिले में जिलाधिकारी नियमित रूप से स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों,सिनेमा हॉलों अस्पतालों मॉलों और भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण करें तो सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर एक सकारात्मक दबाव बनाया जा सकता है। जब निरीक्षण केवल कागजों पर नहीं बल्कि वास्तविक रूप से होने लगेंगे, तब नियमों की अवहेलना करने वालों में भय उत्पन्न होगा। यह केवल दंडात्मक व्यवस्था नहीं बल्कि जीवन रक्षा की रणनीति होगी। यहीं पर दिनांक 23 जून 2026 को 2024 के 183 प्रशिशु ऑफीसरों को संबोधित करते हुए पीएम द्वारा युवा सिविल सेवकों को दिया गया संदेश अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। उन्होंने कहा कि लोक सेवा की असली परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक परिस्थितियों को संभालने में है। उन्होंने नागरिक देवो भव का मंत्र देते हुए कहाकि प्रत्येक प्रशासनिक फाइल के पीछे किसी व्यक्ति की उम्मीदें, चिंताएं और जीवन छिपा होता है। यदि इस विचार को वास्तविक प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बना लिया जाए तो शायद ऐसी घटनाओं की संख्या में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। क्योंकि किसी भवन की फाइल केवल कागज का टुकड़ा नहीं होती, वह उन सैकड़ों लोगों के जीवन से जुड़ी होती है जो उस भवन का उपयोग करने वाले हैं।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7553

★★★✯☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7552 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

दैनिक पंचांग

25 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	तुला में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	06.53 बजे से
सिंह	09.09 बजे से
कन्या	11.21 बजे से
तुला	13.32 बजे से
वृश्चिक	15.47 ब.से
धनु	18.03 बजे से
मकर	20.08 बजे से
कुंभ	21.54 बजे से
मीन	23.27 बजे से
मेष	00.58 बजे से
वृष	02.38 बजे से
मिथुन	04.36 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 176 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 20.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 16.29 बजे को समाप्त।
योग शिव 10.54 बजे को समाप्त।
करण वणिज 07.09 बजे तदनन्तर विष्टि 20.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 9.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872751
जूलियन दिन 2461216.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम
तारीख 09
विशेष निर्जला एकादशी, गायत्री जयंती।

दिन का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक

रात का चौघड़िया	
अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
चर	07.11 से 08.43 बजे तक
रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

पिछले बारह महीनों में भीषण अग्निकांड और उनसे न सीख पाने की त्रासदी

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग एवं एनीमेशन सेंटर में 22 जून 2026 को हुई भीषण आग की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस हादसे में 15 लोगों की जान चली गई, जिनमें अधिकांश युवा छात्र थे। किकई छात्र धुएं में फंस गए, कुछ ने खिड़कियों से छलांग लगाकर जान बचाने की कोशिश की और कई दम घुटने से काल के गाल में समा गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि भवन में आपातकालीन निकास की व्यवस्था नहीं थी और अग्नि सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन किया गया था। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर बार-बार होने वाले अग्निकांडों से देश कब सबक लेगा। पिछले बारह महीनों पर नजर डालें तो देश के विभिन्न हिस्सों में कई बड़े अग्निकांड हुए हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान गई और हजारों परिवार प्रभावित हुए। इनमें अस्पताल, होटल, कोचिंग सेंटर, औद्योगिक इकाइयां, व्यापारिक प्रतिष्ठान और आवासीय भवन शामिल रहे। लगभग हर घटना के बाद जांच बैठी, मुआवजे की घोषणा हुई और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की बात कही गई, लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ सामान्य हो गया और सुरक्षा संबंधी कमियां जस की तस बनी रहीं।

जून 2026 में दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र के एक होटल में लगी भीषण आग ने 20 से अधिक लोगों की जान ले ली। इस घटना ने राजधानी में होटल सुरक्षा मानकों की पोल खोल दी। जांच में सामने आया कि कई होटलों में अग्निशमन उपकरण या तो खराब थे या उनका रखरखाव नहीं किया गया था। होटल कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण भी पर्याप्त नहीं था। यही कारण रहा कि आग लगने के बाद अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग बाहर नहीं निकल सके।

इसके पहले विभिन्न राज्यों में औद्योगिक इकाइयों में भी कई बड़े अग्निकांड सामने आए। रासायनिक कारखानों, प्लास्टिक उद्योगों और गोदामों में लगी आग ने भारी जनहानि और आर्थिक नुकसान पहुंचाया। अधिकांश मामलों में पाया गया कि सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच नहीं की गई थी। कई इकाइयों में ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण नियमों के अनुरूप नहीं था। कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण भी नहीं दिया गया था। परिणामस्वरूप छोटी सी चूक बड़े हादसे में बदल गई।

अस्पतालों में लगी आग की घटनाएं भी चिंता का विषय बनी रहीं। पिछले वर्षों में कई अस्पतालों में आग लगने से मरीजों की मौत हुई थी, लेकिन इसके बावजूद अनेक अस्पतालों में फायर सेफ्टी ऑडिट समय पर नहीं हो रहे हैं। कई भवनों में निकासी मार्ग बाधित रहते हैं और बिजली व्यवस्था भी मानकों के अनुरूप नहीं होती। अस्पतालों जैसे संवेदनशील संस्थानों में ऐसी लापरवाही सीधे मानव जीवन को खतरे में डालती है।शैक्षणिक संस्थानों और कोचिंग सेंटरों में अग्नि सुरक्षा की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। वर्ष 2023 में दिल्ली के मुखर्जी नगर स्थित कोचिंग सेंटर में आग लगने के बाद केंद्र सरकार ने दिशा-निर्देश जारी किए थे। इनमें फायर एनओसी, पर्याप्त वेंटिलेशन, आपातकालीन निकास और नियमित सुरक्षा निरीक्षण को अनिवार्य बनाया गया था। लेकिन लखनऊ की हालिया घटना ने दिखा दिया कि इन नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं हो पाया। जिस भवन में आग लगी, वहां फायर एनओसी और सुरक्षित निकास मार्ग जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं का अभाव बताया जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में अग्निकांडों की सबसे बड़ी वजह नियमों का कमजोर पालन है। भवन निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज किया जाता है। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान बिना आवश्यक अनुमति के संचालित होते रहते हैं। स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों की नियमित निगरानी नहीं होने से ऐसे संस्थान वर्षों तक चलते रहते हैं। जब कोई बड़ा हादसा होता है, तब जाकर उनकी कमियां सामने आती हैं।एक अन्य गंभीर समस्या अनधिकृत निर्माण और भवनों का गलत उपयोग है। कई आवासीय भवनों को व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। संकरी गलियां, सीमित प्रवेश द्वार और बिजली के अव्यवस्थित कनेक्शन आग लगने पर खतरे को कई गुना बढ़ा देते हैं। लखनऊ की घटना में भी भवन की संरचना और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठे हैं। अग्निकांडों के बढ़ते मामलों में विद्युत शॉर्ट सर्किट भी प्रमुख कारण बनकर सामने आता है। अत्यधिक भार, पुराने तार, खराब उपकरण और नियमित रखरखाव की कमी से आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। गर्मी के मौसम में एयर कंडीशनर और अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग बढ़ने से जोखिम और अधिक हो जाता है। कई मामलों में प्रारंभिक जांच में विद्युत खराबी को आग का कारण बताया गया है। इन घटनाओं का सामाजिक प्रभाव भी गहरा होता है। किसी परिवार का युवा सदस्य, कमाने वाला व्यक्ति या पढ़ाई कर रहा छात्र जब ऐसे हादसे में जान गंवाता है तो केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार के सपने टूट जाते हैं। लखनऊ में भी अधिकांश मृतक युवा छात्र थे, जो अपने भविष्य को संवारने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। उनके परिवारों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।सरकारों द्वारा समय-समय पर नियम बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी प्रभावी निगरानी और क्रियान्वयन सबसे बड़ी चुनौती है। केवल कागजों पर मौजूद सुरक्षा प्रमाणपत्र किसी हादसे को नहीं रोक सकते। नियमित निरीक्षण, जवाबदेही तय करना, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और जनता में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। भवन मालिकों, संस्थान संचालकों और प्रशासन को समान रूप से जिम्मेदारी निभानी होगी।

कांतिलाल मांडोत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में उछाल, 11 महीनों में 10,845 वाहन आयात

काठमांडू। चालू वित्तीय वर्ष के पहले 11 महीनों में नेपाल ने 25.55 अरब रुपये मूल्य के 10,845 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) आयात किए हैं। इनमें विभिन्न मॉडल और क्षमता वाले वाहन हैं, जिनकी क्षमता 50 किलोवाट से लेकर 200 किलोवाट से अधिक तक है। यह नेपाल में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को दर्शाता है। कस्टम विभाग के आंकड़ों के अनुसार समीक्षा अवधि के दौरान 50 किलोवाट तक क्षमता वाले 3,680 इलेक्ट्रिक वाहन आयात किए गए। इन वाहनों का कुल मूल्य लगभग 5.65 अरब रुपये रहा। इसी तरह, 51 किलोवाट से 100 किलोवाट क्षमता वाले 6,357 इलेक्ट्रिक वाहन इसी अवधि में नेपाल पहुंचे, जिनकी कुल आयात लागत 16.49 अरब रुपये रही। आंकड़ों से स्पष्ट है कि 51–100 किलोवाट श्रेणी के वाहन आयात संख्या और कुल मूल्य—दोनों ही मामलों में नेपाल के EV बाजार पर सबसे अधिक हावी रहे। नेपाल में इलेक्ट्रिक वाहनों के आयात में लगातार हो रही वृद्धि के पीछे उपभोक्ताओं की बढ़ती रुचि, सरकार की सहयोगी नीतियां और देशभर में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार प्रमुख कारण माने जा रहे हैं।

नेपाल में पूर्व वित्त मंत्री विष्णु पौडेल की गिरफ्तारी को यूएमएल ने बताया राजनीतिक प्रतिशोध और गैरकानूनी

काठमांडू। सीपीएन यूएमएल ने पार्टी के उपाध्यक्ष विष्णु पौडेल गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए इसे राजनीतिक प्रेरित, प्रतिशोधपूर्ण और गैरकानूनी करार दिया है। पूर्व वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को सोमवार को सुर्खेत जिले से मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने आगे की जांच के लिए उन्हें सात दिनों तक हिरासत में रखने की अनुमति भी दे दी है। बुधवार को आयोजित पार्टी सचिवालय की नौवीं बैठक में उनकी बिना शर्त और तत्काल रिहाई की मांग की गई। बैठक में देशभर के पार्टी सदस्यों और समर्थकों से राज्य तंत्र के कथित अधिनायकवादी, प्रतिशोधात्मक और भेदभावपूर्ण इस्तेमाल के खिलाफ राजनीतिक प्रतिरोध और जन-जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान भी किया गया। बैठक के बाद जारी बयान में यूएमएल ने कहा कि वह इस गिरफ्तारी को राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर चुनौती देगा। पार्टी का आरोप है कि गिरफ्तारी बिना किसी ठोस तथ्य या प्रमाण के की गई और इसका उद्देश्य केवल राजनीतिक प्रतिशोध लेना है। पार्टी ने विशेष अदालत के उस निर्णय पर भी असहमति जताई, जिसमें जांच अवधि के दौरान पौडेल को हिरासत में रखने की अनुमति दी गई। पार्टी का कहना है कि यह आदेश न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं और न्याय के पक्ष में खड़े आम नागरिकों से भी देशव्यापी अभियान में शामिल होने की अपील की गई। पार्टी का कहना है कि यह अभियान राज्य एजेंसियों के किए जा रहे मनमाने और भेदभावपूर्ण कदमों के विरोध में चलाया जाएगा।

राहुल ने उठाया मुज़फ्फरनगर में बंधुआ मजदूरी का मामला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुज़फ्फरनगर में बंधुआ मजदूरी के मामले पर बुधवार को रोष प्रकट किया है। राहुल का कहना है कि यह कोई आम आपराधिक घटना नहीं है - यह एक धराशही हुई अर्थव्यवस्था का मलबा है। उल्लेखनीय है कि मुज़फ्फरनगर में बंधुआ मजदूरी की एर घटना समाने आयी है। यहां नौकरी का झूठा वादा कर 13 मजदूरों को पिछले दो साल से बंधक बनाकर रखा गया था। उन्हें लाठियों, बेल्टों से पीटा जाता था। साथ ही वहां रॉटवीलर कुत्ते से उन पर हमला करवाया गया। एक मजदूर के बंधन से निकल भागने बाद पुलिस को मामले का पता चला और बाकी मजदूरों को छुड़वाया गया। राहुल गांधी ने इस घटना पर आज कहा कि मुज़फ्फरनगर में बंधुआ मजदूरी का मामला बेहद चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा, "बिना मज़दूरी दिए काम करवाने के अलावा, मजदूरों को कुत्तों से कटवाया गया, भाले से गोदा गया, कोड़े मारे गए और उन्हें मवेशियों का चारा खिलाया गया। यह इंसानी गरिमा पर हमला है - पीड़ितों को न्याय के साथ पुनर्वास और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। साथ ही हमें यह भी समझना ज़रूरी है कि मज़दूर ऐसी खतरनाक परिस्थितियों में किन मजबूरियों में फंस जाते हैं?" कांग्रेस नेता ने इसका दोष राज्य और केन्द्र सरकार पर मढ़ते हुए कहा कि "जब रोज़गार ख़त्म हो जाते हैं, आमदनी ठहर जाती है, और सबसे कमज़ोर वर्गों के लिए बने मनरेगा और श्रम कानूनों जैसी सुरक्षाएं कमज़ोर कर दी जाती हैं, तो हताशा बढ़ती जाती है।" उन्होंने कहा कि लोग विकल्प या सुरक्षा के अभाव में ऐसे शोषण का आसान शिकार बन जाते हैं।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने लद्दाख के उपराज्यपाल से की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अपने लद्दाख अध्ययन दौरे के दौरान लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उनके साथ दिल्ली विधानसभा के सदस्य सूर्य प्रकाश खत्री, संजय गोयल एवं अहीर दीपक चौधरी भी उपस्थित रहे। बैठक ने शासन, विकास, सतत प्रगति और क्षेत्र के समक्ष उपस्थित पर्यावरणीय चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श का अवसर प्रदान किया। यह जानकारी एक बयान में दी गयी। बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद वहां हो रहे व्यापक विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लद्दाख में जिलों की संख्या दो से बढ़ाकर सात कर दी गई है, जिससे प्रशासनिक पहुंच मजबूत हुई है तथा विकास कार्यों में तेजी आई है। उपराज्यपाल ने क्षेत्र में चल रही महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजनाओं, विशेषकर रणनीतिक सुरंगों एवं संपर्क-सुविधाओं के निर्माण कार्यों का भी उल्लेख किया, जो वर्षभर निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने, आर्थिक विकास को गति देने तथा स्थानीय नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उपराज्यपाल को दिल्ली विधानसभा द्वारा डिजिटल प्रशासन और पर्यावरणीय सततता के क्षेत्र में किए गए विभिन्न नवीन पहलों से अवगत कराया। उन्होंने राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के सफल क्रियान्वयन का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके माध्यम से कागज के उपयोग में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे बड़ी संख्या में वृक्षों के संरक्षण में सहायता मिली है तथा विधानसभा की कार्यक्षमता में भी वृद्धि हुई है। गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली विधानसभा परिसर में स्थापित 500 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र से विद्युत खपत में उल्लेखनीय बचत हुई है। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा क्षमता में अतिरिक्त 300 किलोवाट की वृद्धि की योजना पर कार्य किया जा रहा है, जिसके पूर्ण होने पर विधानसभा अपनी विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति में लगभग आत्मनिर्भर हो जाएगी।

कतर गैस प्लांट विस्फोट में सूरत के सनी पटेल की मौत की पुष्टि

सूरत। कतर के रस लफ्फान स्थित गैस प्लांट में हुए भीषण विस्फोट में सूरत के डुमस क्षेत्र के मोटो मोहल्ला निवासी सनी पटेल की मौत की आधिकारिक पुष्टि हो गई है। हादसे के बाद से उनके सुरक्षित लौटने की उम्मीद लगाए बैठे परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पारिवारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सनी पटेल के भाई रवि पटेल ने कतर में उनके पार्थिव शरीर की पहचान कर ली है। भारतीय दूतावास की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शव परिवार को सौंपा जाएगा। सनी का पार्थिव शरीर बुधवार को कतर से अहमदाबाद लाया जाएगा, जहां से उसे सूरत पहुंचाया जाएगा। परिजनों ने बताया कि सनी पटेल अपनी ड्यूटी पर जाने और लौटने के दौरान पत्नी को फोन करना कभी नहीं भूलते थे। हादसे वाली रात भी उन्होंने नाइट शिफ्ट पर जाने से पहले पत्नी से बातचीत कर बताया था कि वे काम पर जा रहे हैं। इसके बाद उनका कोई संपर्क नहीं हो पाया। उनकी पत्नी उस अंतिम बातचीत को याद कर बार-बार भावुक हो रही हैं। बताया जाता है कि पिता और बड़े भाई के निधन के बाद परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी संभालने के लिए सनी और उनके भाई कतर गए थे। सनी वहां एक औद्योगिक कंपनी में मैकेनिकल फिटर के रूप में कार्यरत थे। परिवार में अधिकांश सदस्य महिलाएं हैं और इस दुखद घटना से पूरा परिवार गहरे शोक में डूब गया है।

पांच व्यक्ति लापता, भूस्खलन से पांच जिलों का सड़क संपर्क कटा

अरुणाचल बाढ़

एजेंसी, इटानगर

- पैन्योर ज़िले में भारी भूस्खलन से पांच जिलों का सड़क संपर्क कटा
- निपको प्रोजेक्ट साइट पर बना हेलीपैड क्षतिग्रस्त

अरुणाचल प्रदेश के केयी पान्योर ज़िले में पोसा में नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (निपको) प्रोजेक्ट के कॉलोनी के आस-पास के इलाकों में बीती रात से बुधवार सुबह तक लगातार हुई भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गयी। क्षेत्र को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। अरुणाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बाढ़ के संबंध में दी गयी जानकारी के अनुसार आज दोपहर 3 बजे तक अचानक आई बाढ़ के चलते पांच लोग लापता हैं। निपको प्रोजेक्ट हेड के अनुसार पांच लोगों के लापता होने की सूचना है। इस बीच कुल 17 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को एम्बुलेंस से ज़ीरो ले जाया गया है। पितापुल में सड़क बंद होने के कारण तीनों घायलों को एम्बुलेंस से आगे ले जाने से पहले, सड़क के बंद हिस्से को पैदल चलकर पार किया गया। कई जगहों पर ज़बरदस्त भूस्खलन के कारण केयी पैन्योर ज़िले के पोसा, होज और पोटिन इलाकों मे भूस्खलन के कारण लगभग पांच अन्य ज़िला भी पूरी तरह कट गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, 23 और 24 जून की रात हुई लगातार बारिश से अचानक बाढ़ आ गई और यज़ाली सर्कल के तहत निपको प्रोजेक्ट कॉलोनी और उसके पास निचले इलाकों में पानी भर गया। इससे कॉलोनी के लगभग 20 क्वार्टर क्षतिग्रस्त हो गए और एक निर्माणाधीन रिटेनिंग वॉल बह गई। चार पहिया वाहनों सहित कई वाहन भी इसकी चपेट में आ गए। केयी पान्योर की जिला उपायुक्त श्वेता नागरकोटी मेहता के अनुसार, भूस्खलन के कारण प्रभावित यज़ाली और होज-पोटिन, दोनों तरफ से प्रभावित हुए हैं। सडके बंद होने के करण प्रभावित क्षेत्र में पहुंचना मुश्किल हो गया है। पोटिन और पोसा के बीच फंसा एक भू-वैज्ञानिक (जियोलॉजिस्ट) बचाव का इंतज़ार कर रहा है। ज़िला प्रशासन ने बताया कि शुरू में एक महिला के लापता होने की खबर थी, लेकिन ताज़ा रिपोर्टों से पता चलता है कि पांच लोगों का कोई पता नहीं चल पा रहा है। अधिकारियों ने अभी तक किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं की है। बचाव कार्यों पर बुरा असर पड़ा है क्योंकि निपको प्रोजेक्ट साइट पर बना हेलीपैड क्षतिग्रस्त हो गया है और सड़क संपर्क टूट गया है। ज़िले के अन्य अधिकारी साइट तक नहीं पहुंच पाए हैं, जबकि ज़िला उप उपायुक्त, पुलिसकर्मियों और स्टेट डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फ़ोर्स (एसडीआरएफ) की टीमें पैदल ही उस इलाके तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। नेशनल डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फ़ोर्स (एनडीआरएफ) भी कई जगहों पर सड़क जाम होने के कारण प्रभावित जगह तक नहीं पहुंच पाई है। अधिकारियों ने बताया कि पान्योर प्रोजेक्ट के प्रमुख इस मुश्किल हालात में फंसे हुए थे।

श्रीनगर में 8वीं मुहर्रम का जुलूस, सड़कों पर उमड़ा शोक मनाने वालों का सैलाब

एजेंसी, श्रीनगर

काले झंडों और शोक के बैनरों के साये में बुधवार सुबह श्रीनगर के शहर के केंद्र में हजारों श्रद्धालु जमा हुए। पारंपरिक 8वीं मुहर्रम का जुलूस शुरू हुआ जिससे गुरु बाजार-डलगेट का रास्ता कर्बला के शहीदों की याद में शोक मनाने वालों की भीड़ से भर गया। गुरु बाजार से डलगेट तक सड़कों पर गमगीन माहौल था। रास्ते में सबील, मेडिकल कैंप और वॉलंटियर्स द्वारा चलाए जा रहे सेवा स्टॉल लगे थे जो जुलूस में शामिल लोगों को पानी, जलपान और मदद दे रहे थे। साथ ही सड़कों पर शोक-गीत (मर्सिया) गूंज रहे थे और बड़ी संख्या में लोग जुलूस में शामिल हो रहे थे।

जानकारी के अनुसार जालूस सुबह-सुबह गुरु बाजार से शुरू हुआ और पारंपरिक रास्ते से होते हुए बुदशाह कदल और एम.ए. रोड से गुजरा। इसमें शामिल लोग काले झंडे लिए हुए थे और शोक से जुड़ी रस्मों में हिस्सा ले रहे थे।

मध्य कश्मीर के बडगाम जिले से आए एक शोक मनाने वाले ताहिर अली ने कहा, "यह सिर्फ़ एक जुलूस नहीं है बल्कि याद और कुर्बानी का सफ़र है। लोग इस दिन का हिस्सा बनने के लिए पूरे साल इंतज़ार करते हैं।"

एक और प्रतिभागी मुबाशिर हसन ने कहा कि माहौल में दुख और एकता दोनों झलक रहे थे। उन्होंने कहा, "आप यहां कश्मीर के हर कोने से आए लोगों को देख सकते हैं। वॉलंटियर्स और अधिकारियों के इंतज़ामों से सब कुछ आसानी से हो रहा है।"

जैसे-जैसे जुलूस शहर के केंद्र से आगे बढ़ा, स्थानीय लोग सड़कों के किनारे से इसे देखते रहे जबकि वॉलंटियर्स शोक मनाने वालों की मदद करने और रास्ते में लगे सेवा स्टॉलों को संभालने में व्यस्त रहे।

अधिकारियों ने बताया कि जुलूस के सुचारू संचालन के लिए व्यापक इंतज़ाम किए गए थे जिनमें सुरक्षा बलों की तैनाती, ड्रोन से निगरानी, मेडिकल सुविधाएं, ट्रैफिक कंट्रोल, सफाई व्यवस्था और ज़रूरी सेवाओं को बिना रुकावट जारी रखना शामिल था।

इस रूट से जुड़ी मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहा जबकि अलग-अलग जिलों और इलाकों से आने वाले लोगों के लिए पार्किंग की खास व्यवस्था की गई थी।

केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू को पंजाब अनुसूचित जाति आयोग ने सुनाई धार्मिक सजा

पंजाब में चार धार्मिक स्थानों पर माथा टेककर लेंगे आशीर्वाद

एजेंसी, चंडीगढ़

पुलिस कर्मचारियों पर आपत्तिजक टिप्पणी करने के मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब अनुसूचित जाति आयोग ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को चार धार्मिक स्थानों पर माथा टेकने की धार्मिक सजा सुनाई है। रवनीत बिट्टू बुधवार को अपने वकीलों के साथ अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी के समक्ष पेश हुए और अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मेरे शब्द 100 फीसदी कानूनी तौर पर गलत थे, जिसके लिए मैंने माफी भी मांगी।

बिट्टू ने कहा कि उन्हें सबसे पहले संगरूर में एक एसपी रैंक के अधिकारी ने रोका था। उस अधिकारी ने बताया कि ओएसडी ओंकार को बलिया थाने में हिरासत में रखा गया है। इसके बाद वह बलिया थाने पहुंचे, जहां उन्हें फिर बताया गया कि ओंकार को संगरूर ले जाया गया है। इसके बाद वह धूरी पहुंचे, जहां एक एसएचओ रैंक के अधिकारी ने उनकी गाड़ी के सामने वाहन लगाकर रास्ता रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके साथ बदतमीजी की गई और कुछ ऐसे शब्द कहे गए, जिनसे वह आहत हुए। बिट्टू ने कहा कि उस समय हालात तनावपूर्ण थे और पुलिस के व्यवहार से वह भावुक हो गए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि यदि उनकी ओर से भी कोई आपत्तिजनक शब्द निकले हों, तो इसके लिए वह मीडिया के सामने पहले ही माफी मांग चुके हैं।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में पंजाब के 21 जिलों में किसानों का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी, चंडीगढ़

- कई स्थानों पर केंद्र सरकार और ट्रंप के पुतले फूंके, किसान नेताओं ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में बुधवार को किसानों का गुस्सा खुलकर सामने आया। किसान संगठनों ने पंजाब के 21 जिलों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ रोष मार्च निकाले। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुतले भी फूंके। अमृतसर में किसान नेता सरवन सिंह पंधेर की अगुवाई में सैकड़ों किसान भाजपा कार्यालय के बाहर एकत्र हुए और भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि इस समझौते को जुलाई के अंत तक लागू करने की तैयारी की जा रही है, लेकिन इस संबंध में किसानों, खेत मजदूरों और अन्य संबंधित वर्गों से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया गया।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि यदि यह ट्रेड डील लागू होती है तो पंजाब सहित पूरे देश के किसानों, खेत मजदूरों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। उनका कहना है कि विदेशी उत्पादों के लिए बाजार खोलने से स्थानीय कृषि और डेयरी क्षेत्र पर दबाव बढ़ेगा, जिससे किसानों की आय प्रभावित हो सकती है।

किसान मजदूर मोर्चा के आह्वान पर अमृतसर, बठिंडा, फरीदकोट, फिरोजपुर, फाजिल्का, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर, कपूरथला, लुधियाना, मलेरकोटला, मानसा, मोगा, श्री मुक्तसर साहिब, पठानकोट, पटियाला, रूपनगर, मोहाली, संगरूर, शहीद भगत सिंह नगर और तरनतारन में प्रदर्शन किए गए। कई स्थानों पर भाजपा कार्यालयों और भाजपा नेताओं के घरों के बाहर भी विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं ने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भारत-अमेरिका ट्रेड डील को वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान अपने अधिकारों और कृषि क्षेत्र के हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने के लिए तैयार हैं।

रिम्स में मेडिकल सीट अलॉटमेंट अनियमितता की जांच तेज, सीआईडी टीम ने खंगाले दस्तावेज

एजेंसी, रांची

राजधानी रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में मेडिकल सीट अलॉटमेंट और नामांकन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच अब तेज हो गई है। मामले की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की टीम बुधवार को रिम्स पहुंची और डीन कार्यालय समेत विभिन्न विभागों में उपलब्ध दस्तावेजों और अभिलेखों की जांच शुरू की। जांच एजेंसी नामांकन प्रक्रिया और टेंडर से जुड़े मामलों में हुई संभावित गड़बड़ियों की पड़ताल कर रही है। सीआईडी अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई पिछले शैक्षणिक सत्र में हुए दाखिलों से संबंधित शिकायतों के आधार पर की जा रही है। जांच के दौरान प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े रिकॉर्ड, काउंसलिंग दस्तावेज, आवंटित सीटों का ब्यौरा तथा संबंधित प्रशासनिक फाइलों का अवलोकन किया जा रहा है। टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों का पालन किया गया था या नहीं।

दरअसल, पिछले शैक्षणिक सत्र में रिम्स में हुए कुछ दाखिले को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आई थीं। आरोप लगाया गया था कि नियमों की अनदेखी कर कुछ अयोग्य अभ्यर्थियों को दाखिला दिया गया। शिकायतों में प्रवेश प्रक्रिया में पक्षपात, दस्तावेजों की सत्यापन प्रक्रिया में लापरवाही तथा भ्रष्टाचार से जुड़े आरोप भी शामिल बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक स्तर पर शिकायतों को गंभीर मानते हुए राज्य सरकार ने मामले की विस्तृत जांच सीआईडी को सौंप दी थी।

बुधवार को रिम्स पहुंची जांच टीम ने डीन कार्यालय के अलावा प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े अन्य विभागों से भी आवश्यक दस्तावेज एकत्र किए। अधिकारियों ने संबंधित कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों से भी पूछताछ की तथा प्रवेश प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी हासिल की। जांच के दौरान यह भी देखा जा रहा है कि सीट आवंटन और काउंसलिंग प्रक्रिया में कहीं नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि उन्हें मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया के दौरान हुई काउंसलिंग में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। मंत्री के अनुसार उन्हें यह जानकारी प्राप्त हुई थी कि कुछ अभ्यर्थियों द्वारा काउंसलिंग के दौरान फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया की जांच कराने की सिफारिश की थी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मेडिकल शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यदि जांच में किसी भी स्तर पर अनियमितता, लापरवाही या भ्रष्टाचार की पुष्टि होती है, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्ण गर्भवती महिला के सम्मान में मंच से उतरे मुख्यमंत्री विजय

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु सरकार के विभिन्न विभागों में चयनित 401 अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश वितरित करने के लिए चेन्नई में आयोजित एक समारोह उस समय भावनात्मक क्षण का साक्षी बन गया, जब मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने एक पूर्ण गर्भवती महिला की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए स्वयं मंच से नीचे उतरकर उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री के इस मानवीय व्यवहार ने उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया और पूरे सभागार में भावुक माहौल बन गया।

सरकारी सेवा में चयनित 401 अभ्यर्थियों में अक्षयलक्ष्मी नाम की एक महिला भी शामिल थीं, जो गर्भावस्था के अंतिम चरण में हैं। उनकी प्रसव तिथि 28 जून निर्धारित है। जीवन के महत्वपूर्ण सपनों में शामिल सरकारी नौकरी प्राप्त करने की इच्छा को पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी शारीरिक स्थिति की परवाह किए बिना समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जब चयनित अभ्यर्थियों को क्रमवार मंच पर बुलाकर नियुक्ति पत्र दिए जा रहे थे, तब मुख्यमंत्री विजय की नजर अक्षयलक्ष्मी पर पड़ी। उन्होंने तुरंत उनकी स्थिति को समझते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि उन्हें मंच तक आने के लिए सीढ़ियां चढ़ने की आवश्यकता न पड़े। इसके बाद मुख्यमंत्री ने परंपरागत प्रोटोकॉल को एक तरफ रखते हुए स्वयं मंच से नीचे उतरने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री सीधे उस स्थान तक पहुंचे जहां अक्षयलक्ष्मी बैठी हुई थीं। वहां उन्होंने उन्हें अपने हाथों से नियुक्ति पत्र सौंपा। इस दौरान अक्षयलक्ष्मी भावुक दिखाई दीं।

पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के साथ संबंध रखने के संदेह में कर्नाटक में एक युवक गिरफ्तार

एजेंसी, नई बेंगलुरु

कर्नाटक के दावणगेरे जिले के हरिहर तालुक के बन्निकोडु गांव से एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी सुहैल (20) के रुप में हुई है। उस पर पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठनों से संपर्क रखने का संदेह है। पुलिस और केंद्रीय खुफिया विभाग ने एक संयुक्त ऑपरेशन में युवक को गिरफ्तार किया। हरिहर ग्रामीण पुलिस थाने में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, पकड़ा गया आरोपित युवक देश में बड़े पैमाने पर विध्वंसक और समाज विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश का हिस्सा हो सकता है। पूछताछ के दौरान उसने कथित तौर पर अयोध्या के श्रीराम मंदिर को बम विस्फोट के जरिए निशाना बनाने की बात कही। हालांकि, जांच एजेंसियां अभी इसकी सत्यता और उसके वास्तविक इरादों की जांच कर रही हैं।

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि प्राथमिक जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। वह काम की तलाश में दावणगेरे आया था। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि वह चैट के माध्यम से पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के संपर्क में था। उसके मोबाइल फोन से कुछ आपत्तिजनक सामग्री भी मिली है। फिलहाल आरोपित पुलिस हिरासत में है और जांच जारी है।

दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो के सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के कार्य का शुभारंभ

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों और बिजली मंत्री मनोहर लाल ने केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर दिल्ली मेट्रो के सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के कार्य की बुधवार को शुरुआत की। इसके मौके पर आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव और डीएमआरसी के चेयरमैन के. श्रीनिवास भी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौजूद रहे।

मनोहर लाल ने कहा कि दिल्ली के शहरी ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। यह कॉरिडोर कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, नेशनल वॉर मेमोरियल और सुप्रीम कोर्ट जैसे प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों और लैंडमार्क तक आसान कनेक्टिविटी देगा, जिससे रोजाना हजारों कर्मचारियों, नागरिकों और आने-जाने वालों के लिए पहुंच आसान हो जाएगी। प्रमुख मेट्रो लाइनों के साथ बेहतर इंटीग्रेशन से राजधानी में यात्रा और भी आसान और कुशल हो जाएगी। आधुनिक और नागरिक-केंद्रित इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट यात्रा के कीमती समय की बचत करेगा, यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा।

डीएमआरसी ने एक बयान में कहा कि यह स्टेशन मौजूदा मैजेंटा लाइन (जनकपुरी वेस्ट से आरके आश्रम मार्ग तक) के विस्तार के तौर पर फेज V(ए) के तहत बनाया जा रहा है। केंद्रीय सचिवालय स्टेशन एक ट्रिपल इंटरचेंज स्टेशन बन जाएगा, जहां नई मैजेंटा लाइन का स्टेशन मौजूदा येलो लाइन और वॉयलेट लाइन से आसानी से जुड़ जाएगा। इस खास सुविधा से सरकारी कर्मचारियों और लुटियंस जोन व आसपास के प्रशासनिक इलाकों में आने-जाने वाले यात्रियों को काफी फायदा होगा।

यह कॉरिडोर 9.913 किलोमीटर लंबा है और इसमें नौ अंडरग्राउंड स्टेशन हैं- शिवाजी स्टेडियम, युगे-युगीन भारत, केंद्रीय सचिवालय, कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, वॉर मेमोरियल-हाई कोर्ट, बड़ौदा हाउस, भारत मंडपम और इंद्रप्रस्थ। यह प्रोजेक्ट नई दिल्ली के मुख्य इलाकों तक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। इससे प्रमुख सरकारी दफ्तरों, न्यायिक संस्थानों, राष्ट्रीय स्मारकों और कन्वेंशन सुविधाओं तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा, साथ ही पूरे नेटवर्क की क्षमता और यात्रियों की सुविधा भी बेहतर होगी।

25-06-2026 T.P. Page 8_Layout 1 25-06-2026 07:58 Page 1

पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में बनाएं करियर

आप पेंटिंग या ड्राइंग के साथ अपना स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पेंटिंग डिपार्टमेंट से आप म्यूरल के लिए भी जा सकते हैं।

बदलते समय के साथ लोगों की सोच भी बदल रही है, खास कर ऐसे माता- पिता की जो अपने बच्चों पर बचपन से ही डॉक्टर-इंजीनियर बनने का दबाव डालते और इसे ही करियर के लिए सबसे बेहतर मानते थे। आज के समय में करियर के कई विकल्प खुल गए हैं। अब सिर्फ कॉमर्स या साइंस जैसे स्ट्रीम ही करियर की संभावना नहीं रह गया है। यही कारण है की मां-बाप अपने बच्चों को पसंद के अनुसार अपना करियर बनाने का मौका दे रहे हैं। इस समय फैशन एक ऐसा क्षेत्र है जो युवाओं को खुलकर जीने का मौका दे रहा है, जिससे आज युवा बैचलर ऑफ फाइन आर्ट की तरफ आकर्षित हो रहे हैं और पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में अपनी प्रतिभा निखारने के साथ अपना करियर बना रहे हैं।

क्या है बैचलर ऑफ फाइन आर्ट

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का स्वरूप बहुत बड़ा है। इसमें छात्रों को नृत्य, चित्र, फोटोग्राफी, फिल्म, वास्तुकला, आदि की शिक्षा दी जाती है। यह कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं, ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों में बीएफए चार सालों का कोर्स होता है। शुरूआती सालों में आपको विजुअल आर्ट के सभी विषयों की जानकारी दी जाती है लेकिन अंतिम साल में आपको स्पेशलाइजेशन के रुप में एक विषय चुनना होता है।

जरूरी स्किल

अगर आप इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते है तो आपको कला की अच्छी समझ होनीं चाहिए। इसके लिए आपमें कल्पनाशीलता और क्रिएटिविटी जैसी स्किल की बेसिक जानकारी जरूरी है। इसके अलावा थिंकिंग पावर और ड्राइंग, पेंटिंग, स्कैचिंग की अच्छी समझ होना जरूरी है। वहीं इस फील्ड के लिए आप नए- नए एक्सपेरिमेंट करते रहना जरूरी है, जिससे आपकी कला का और विकास हो सके। एक पेंटर के रूप में, एक उम्मीदवार विभिन्न कलाकृतियां बना सकता है जैसे कि वाटर कलर पेंटिंग, ऑइल पेंटिंग, इंक वॉश पेंटिंग, ऐक्रेलिक पेंटिंग, पेस्टल कलर पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग, एनकॉस्टिक पेंटिंग आदि। एक पेंटर आमतौर पर स्वतंत्र रूप से काम करता है या उसका प्रदर्शन करता है।

करियर

यह एक ऐसा सेक्टर है जहां पर छात्रों को बीएफए कोर्स करने के बाद आसानी से जॉब मिल जाती है। आज कल बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स में काफी बच्चों को दिलचस्पी होती है। बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स एडवरटाइजिंग कम्पनीज, आर्ट स्टूडियोज, बाउटिकेस आदि जगहों पर जॉब कर सकते हैं। आज के समय में बैचलर ऑफ फाइन आर्टस का क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं अच्छी पेंटिंग्स भी लाखों- करोड़ो रुपए में बिक रही हैं, जिससे कलाकारों को उसका पूरा फायदा भी मिल रहा है। अगर आप चाहें तो आप इसमें एमए करके रिसर्च के लिए जा सकते हैं और इसके बाद आप किसी प्राइवेट संस्थान या किसी सरकारी कॉलेज में पढ़ा सकते हैं। वैसे तो कोर्स पूरा होने के पहले ही अगर आपने मेहनत की तो आपको सफलता मिलनी शुरू हो जाती है, ज्यादातर को प्राइवेट संस्थानों में, घरों और ऑफिसों, सरकार की तरफ से दीवारों को सजाने या उनपर पेंट, पोर्ट्रेट बनाने जैसे काम मिलने शुरू हो जाते हैं। फ्रीलांस आर्टिस्ट के तौर पर भी आप कार्य कर सकते हैं।

क्या होती है जॉब प्रोफाइल

एक पेंटर बनने के लिए आपको बीए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, बीएफए पेंटिंग, बीए इन पेंटिंग, बीए इन विजुअल आर्ट्स, बीएफए एप्लाइड आर्ट्स, एमएफए, एमए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, डिप्लोमा इन पेंटिंग का कोर्स करना पड़ेगा। जिसके बाद आप पेंटर, क्राफ्ट आर्टिस्ट, विजुअलाइजेशन प्रोफेशनल, इलेस्ट्रेटर, डिजिटल डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, आर्ट प्रोफेशनल, आर्ट डायरेक्टर, आर्ट कंजरवेटरआर्ट, इनेपनउ, आर्ट रेस्टोरेशन स्पेसलिस्ट, मुरलिस्ट पेंटर, कॉमिक आर्टिस्ट, एंटीरियर डिजाइनर से जॉब प्रोफाइल पर कार्य कर सकते हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में बनाएं करियर

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है।

जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- बीमा क्षेत्र
- वित्तीय संस्थाए
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

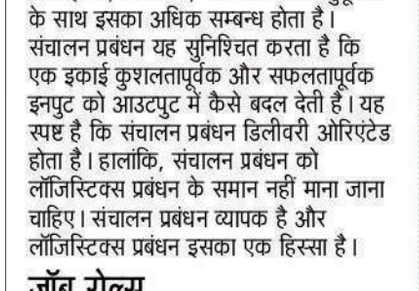

आज के समय में हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है लाइब्रेरी साइंस का कोर्स

स्कूल कॉलेज हों या फिर सरकारी व प्राइवेट संस्थान हर जगह डॉक्यूमेंट्स को संभालने व संरक्षण करने के लिए लाइब्रेरी का उपयोग होता है। इस लाइब्रेरी में किताबों की देखभाल करने वाले को लाइब्रेरियन कहा जाता है।

अगर आपको भी किताबों से प्यार है और ज्ञान के भंडार के बीच अपना समय बीताना चाहते हैं, तो लाइग्ररियन बन सकते हैं, इसके लिए आपको लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करना पड़ेगा, जिसके बाद आप लाइब्रेरी अटेंडेंट, लाइब्रेरी असिस्टेंट, जूनियर लाइब्रेरियन और लाइब्रेरियन जैसे पदों पर रहकर अच्छा करियर बना सकते हैं।

क्या है लाइब्रेरी सांइस का कोर्स

लाइब्रेरी साइंस का दायरा काफी बड़ा है, आज के समय यह एक हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है। इसलिए इसमें करियर के अवसर भी काफी ज्यादा नजर आ रहे हैं। इस कोर्स के तहत छात्रों को लाइब्रेरी और इंफॉर्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट, डॉक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट, कैटलॉग, बिबलियोग्राफी आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इस क्षेत्र में अगर आप करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर की बेसिक जानकारी भी होना जरूरी है। क्योंकि आजकल सारे डेटा और रिकॉर्ड कंप्यूटर पर ही रखे जाते हैं।

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स

अगर आप लाइब्रेरी साइंस में करियर बनाना चाहते हैं तो आप डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए कैंडिडेट्स को किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। वहीं बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस या बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के लिए आपको किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना होगा। बैचलर करने के बाद आम मास्टर इन लाइब्रेरी साइंस भी कर सकते हैं। इसके बाद आप एमफिल या पीएचडी कर रिसर्च या टीचिंग के सेक्टर में भी जा सकते हैं।

करियर स्कोप क्या है

लाइब्रेरी साइंस में इस समय जॉब्स की कमी नहीं है, लाइब्रेरी साइंस में ग्रेजुएट होने के बाद आप सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में जॉब कर सकते हैं। जिस तरह से दिन- प्रतिदिन यूनिवर्सिटी और कॉलेज की संख्या बढ़ रहा है, ठीक उसी प्रकार इस सेक्टर में जॉब के अवसर भी बढ़ रहे हैं। आप किसी भी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, प्राइवेट संस्थान, प्राइवेट लाइब्रेरी, म्यूजियम आदि में लाइब्रेरियन के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा न्यूजपेपर और न्यूज चैनल्स में भी लाइब्रेरियन की नियुक्ति की जाती हैं। अब तो कॉरपोरेट कंपनियों में भी लाइब्रेरी को प्रमोट किया जाता है, ऐसे में यहां पर भी अच्छी सैलेरी के साथ जॉब मिल सकती है। अब जमाना डिजिटल हो चुका है, इसलिए अब ऑनलाइन लाइब्रेरी या कंप्यूटर लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी का चलन तेजी से बढ़ा है।

करियर ऑप्शन क्या है

अब लाइब्रेरी साइंस काफी विकसित सेक्टर के रूप में जाना जाता है। जिसकी जरूरत हर जगह पर पड़ती है। जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर के अनेक ऑप्शन हैं। आप कोर्स पूरा कर निम्न पदों पर रहकर करियर बना सकते हैं। जिसमें जूनियर लाइब्रेरियन, सहायक लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन, लाइब्रेरियन, लाइब्रेरी अटेंडेंट, पुस्तकालय सहायक, शोधकर्ता व वैज्ञानिक, सलाहकार, तकनीकी सहायक, अभिलेख प्रबंधक, सूचना केंद्र का प्रमुख, वरिष्ठ सूचना विश्लेषक, कानून लाइब्रेरियन, इंडेक्सर, सूचना वास्तुकार, पुरालेखपाल शामिल है।

कितनी मिलती है सैलरी

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स करने के बाद आप प्रेशर के तौर पर 20 से 30 हजार रूपए कमा सकते हैं, इसके बाद जिस तरह से आपका अनुभ्व बढ़ेगा, उसी के अनुसार आपका पद और वेतन भी बढ़ेगा। वहीं अगर आपकी जॉब गवर्नमेंट सेक्टर में लग गया तो आप हर माह लाखों रुपए कमा सकते हैं।

आईआईटी में एडमिशन दिलाएंगी ये टिप्स

देश में इंजीनियर बनने की चाह रखने वाले हर स्टूडेंट की चाहत होती है कि वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) से इंजीनियरिंग करे। आईआईटी में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को जेईई मेन एवं जेईई एडवांस परीक्षा पास करनी होती है। यहां हम आपको तैयारी के लिए कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं।

बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले सिलेबस के अनुसार अपना स्टडी प्लान बनाएं। जेईई मेन और जेईई एडवांस दोनों के सिलेबस लगभग समान होते हैं।

सेट करें वीकली और डेली टारगेट

स्टडी के लिए न्यूनतम घंटे तय करें। इसके साथ ही डेली या वीकली टारगेट सेट करें।

एनसीईआरटी की लें मदद

बेसिक तैयारी के लिए एनसीईआरटी बुक्स बहुत अच्छी मानी जाती हैं। इस कारण 11वीं से ही इन बुक्स से तैयारी करें।

क्लियर करें कॉन्सेप्ट

जेईई परीक्षा में आपके बेसिक्स की जांच होती है। पहले बेसिक कॉन्सेप्ट को समझें और इसके लिए थ्योरी पार्ट को पढ़ें।

स्मार्ट स्टडी

हार्ड वर्क के साथ ही स्मार्ट वर्क करें। इसके लिए नोट्स बनाएं, इंपोर्टेंट प्वाइंट्स, फॉर्मूला, शॉर्टकट, रिएक्शन आदि के साथ स्मार्ट स्टडी करें।

मॉक टेस्ट पेपर

अपनी स्पीड, लर्निंग एक्यूरेसी और टाइम मैनेजमेंट स्किल को परखने के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट पेपर सॉल्व करें।

कर सकते हैं कोचिंग

टफ और डाउट वाले प्रश्नों को आसानी से समझने के लिए आप कोचिंग भी ज्वॉइन कर सकते हैं।

पीसीएम का मतलब सिर्फ इंजीनियर बनना ही नहीं

छात्रों के बीच एक आम धारणा है कि 12वीं में मैथ्य लेने का मतलब है इंजीनियरिंग करना और साइंस लेने का मतलब है डॉक्टर बनना, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर बच्चा सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना चाहता है। कई बच्चे ऐसे भी हैं जो अलग फील्ड में जाना चाहते हैं।

बन सकते हैं पायलेट

अगर आप बचपन से उड़ते हुए प्लेन को देख कर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं और इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आप पायलट पाठ्यक्रम भी चुन सकते है। इसका कोर्स प्राइवेट कॉलेज भी करवाते है। हवाई यात्रा सस्ती होने के साथ, विमान उद्योग तेज गति उन्नति कर रहा है और वाणिज्यिक पायलटों की आवश्यकता भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। यदि आप आकाश में उड़ना चाहते हैं और पायलट बनना कहते है तो यह कोर्स आपके लिए परफेक्ट है।

मर्चेंट नेवी

यह कोर्स आज के समय में बेहतर ऑप्शंस है। इसमें आप मरीन इंजीनियरिंग, नॉटिकल साइंस, शिप मेंटेनेंस आदि कोर्स कर सकते हैं। यह देश में सबसे अधिक सैलरी देने वाले कोर्सेज में से एक है। इसमें आपको कई देशों का सफर करने का मौका मिलता है तथा देश की सेवा करने का भी मौका मिलता है। काफी युवा छात्र मर्चेंट नेवी को अपना करियर बनाते है यह छात्रों की एक मनपसंद फील्ड है।

एनीमेशन का फील्ड

अगर आप क्रिएटिव हैं तो एनीमेशन के फील्ड में जा सकते हैं। 12वीं के बाद एनीमेशन की फील्ड में करियर बनाने का सपना काफी छात्रों का होता है। एनीमेशन की फील्ड काफी ज्यादा क्रिएटिव और मनोरंजक फील्ड है। इसमें छात्रों को कुछ नया करने को मिलता है। आज कल के समय में एनिमेटेड मूवीज, कार्टून्स काफी ज्यादा लोकप्रिय है ऐसे में एनीमेशन की फील्ड में बहुत कुछ कर दिखने का मौका है।

वीडियो गेम

कोरोना के बाद वीडियो गेम उद्योग बूस्ट पर चल रहा है। भारत में आज कई इंटरनेशन व नेशनल कंपनियां इस फील्ड में काम कर रही हैं। इस फील्ड में आपको कंप्यूटर लैंग्वेज पढ़ाई जाएगी और ग्राफिक डिजाइनिंग के बारे सिखाया जाता है। इस फील्ड में भी बहुत ज्यादा क्रिएटिविटी की जरुरत है। इस फील्ड में वेतन भी बहुत अच्छा है तथा भविष्य भी बहुत बढ़िया है।

एप डेवलपर

इस समय डिजिटल दुनिया में सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है ऐसे में एप डेवलपर का भविष्य बहुत ही अच्छा है। आप एप डेवलपिंग का कोर्स ज्वाइन कर के अपना करियर इस फील्ड में बना सकते है। इसमें वेतन भी बहुत ज्यादा मिलता है। आजकल सभी लोग अपना व्यवसाय ऑनलाइन करते जा रहे है ऐसे में सभी अपना एप बनवाते है और अपने बिजनेस को या प्रोडक्ट तो प्रमोट करते है इसलिए यह भी एक बहुत अच्छा करियर ऑप्शन है।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

आज के समय में यहां सैकड़ों आईटी फर्म हैं और दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। और ये आईटी फर्म एक बढ़िया 7 फिगर सैलरी देती है अपने सॉफ्टवेयर डेवलपर को। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल ये सभी कम्पनीज सॉफ्टवेयर डेवलपर हायर करती है और अच्छा वेतन देती है। आजकल तो सभी बैंक्स भी ऑनलाइन हो गए है और लगभग सभी ऑफिसेस भी अपना सॉफ्टवेयर डेवेलप करवाते है। ऐसे में ये एक ऐसा करियर है जिसमे कभी पीछे नहीं मुड़ना पड़ेगा। सभी आईटी फर्म्स सॉफ्टवेयर डेवलपर को रखती है और अच्छा वेतन देती है।

बीसीए भी है ऑप्शन

अगर आप 12 वीं के बाद करियर ऑप्शन देख रहे हैं तो आपके लिए बीसीए एक बढ़िया करियर ऑप्शन हो सकता है। अगर आपको कंप्यूटर में इंटरेस्ट है तो बीसीए आपके लिए बढ़िया चुनाव रहेगा। बीसीए करने के बाद आप किसी अच्छी आईटी कंपनी में जॉब कर सकते है और अगर आप बीसीए के बाद पोस्ट ग्रेजुएट एमसीए भी कर लेंगे तो कंप्यूटर की फील्ड में एक अच्छा करियर बना सकते है तथा उच्च वेतन की नौकरी भी मिल सकती है।